राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 22 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-62 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की याचिका पर जस्टिस गवई बोले-

आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को दखल का आदेश दें?

नई दिल्ली। जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई ने सोमवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट पर कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण करने के आरोप लग रहे हैं और उनसे राष्ट्रपति के दखल का आदेश देने के लिए कहा जा रहा है। वक्फ संशोधन कानून के विरोध में बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर दाखिल याचिकाओं पर उन्होंने यह टिप्पणी की है। कोर्ट से इलाके में तत्काल पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की मांग की गई है। एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा कि मामला सुनवाई के लिए लगा है। मैं कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके में शांति सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट केंद्र को फोर्स तैनात करने का आदेश दे। जस्टिस बी आर गवई ने कहा कि आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को दखल का आदेश दें? हम पर पहले ही कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण का आरोप लग रहा है। जैन ने कहा कि उनकी याचिका मंगलवार को सुनवाई के लिए लगी है, लेकिन वह कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करना चाहते हैं। उन्होंने बंगाल में राष्ट्रपति शासन की भी मांग की।

आप नहीं लड़ेगी दिल्ली में मेयर का चुनाव, आतिशी ने किया ऐलान

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम के चुनाव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि आप मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी। आतिश ने कहा कि बीजेपी जहां-जहां चुनाव हारती है, वहां साम-दंड-भेद सब अपनाती है। बीजेपी दूसरी पार्टियों को तोड़कर सरकार बनाती है। आतिशी ने कहा, बीजेपी बीते ढाई सालों से आप के पार्षदों पर दबाव बनाकर और तोड़कर बीजेपी में लेकर गई। हम दिल्ली की जनता का सम्मान करते हैं, किसी भी विधायक और पार्षद को खरीदती और तोड़ती नहीं है। आम आदमी पार्टी मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी। इस मामले पर दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा, आप जानती है कि वह दिल्ली नगर निगम में न सिर्फ बहुमत खो चुकी है, बल्कि पिछले ढाई साल में नगर निगम का प्रशासनिक और रख-रखाव कार्य दोनों ठप्प किए हैं। अतः अब आम आदमी पार्टी त्याग का नाटक कर रही है और संभव है, यहां से आगे आप और कांग्रेस गठबंधन करें।

जश्न के दौरान दो लोगों में झगड़ा, चलने लगीं गोलियां, 80 पर मामला दर्ज

नोएडा। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में स्थित एक 'फार्म हाउस' में रविवार रात आयोजित एक पार्टी के दौरान मारपीट और गोलीबारी करने के आरोप में कम से कम 80 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में करीब 20 लोगों को नामजद किया गया है और कम से कम 60 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इन लोगों पर मारपीट करने, एक दूसरे पर धारदार हथियार से हमला करने और गोलीबारी करने का आरोप है। कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।नॉलेज पार्क के थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि पुलिस सेक्टर 151 स्थित फॉर्म हाउस में आयोजित पार्टी के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची लेकिन पुलिस को देखकर ये लोग मौके से फरार हो गए।

टेम्पो चालक ने तोड़ा नियम, ट्रैफिक कर्मी पीछा करते समय समुद्र में गिरा, मौत

मुंबई।

दक्षिण मुंबई के कोस्टल रोड पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले एक टेम्पो का स्कूटर से पीछा करते समय एक ट्रैफिक कर्मी की समुद्र में गिर जाने से मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैफिक कर्मी का शव निकाल कर टेम्पो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम को टाटा गार्डन से वर्ली की ओर जा रहा टेम्पो यातायात नियमों का उल्लंघन कर कोस्टल रोड पर आ गया जहां भारी वाहन प्रतिबंधित हैं। इसके बाद ट्रैफिक कर्मी रफीक वजीर शेख ने स्कूटर से टेम्पो का पीछा किया लेकिन कोस्टल रोड के एक मोड़ पर रफीक शेख ने अपने दोपहिया वाहन से नियंत्रण खो दिया और रेत में उनका स्कूटर फिसल गया। स्कूटर सड़क पर सीमेंट की रेलिंग से टकरा गया और रफीक शेख समुद्र में गिर गए जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक वाहन चालक ने पुलिस को इसकी सूचना दी जिसके बाद सुरक्षा और अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और रफीक शेख को पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि रफीक को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पोप फ्रांसिस नहीं रहेः वेटिकन ने जारी किया शोक संदेश,

दुनियाभर में शोक की लहर

वेटिकन सिटी।

कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से फेफड़ों में इन्फेक्शन की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती थे। वेटिकन कैमरलेन्गो कार्डिनल केविन फेरेल ने पोप फ्रांसिस के निधन की घोषणा की है। पोप फ्रांसिस के निधन से वेटिकन समेत संपूर्ण दुनियां में शोक की लहर है।

ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का वेटिकन सिटी में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। निमोनिया की शिकायत के चलते पोप फ्रांसिस को पिछले दिनों अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पॉप फ्रांसिस के निधन की वेटिकन सिटी द्वारा घोषणा कर दी गई है।

पोप फ्रांसिस ने 88 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। जानकारी अनुसार निधन से एक दिन पूर्व ही अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उनसे मुलाकात की थी। पोप फ्रांसिस के निधन से वेटिकन समेत पूरी दुनिया में शोक की लहर है।

यहां बताते चलें कि पोप फ्रांसिस पिछले एक हफ्ते से ब्रोंकाइटिस से पीड़ित थे। इसके चलते उन्हें शुक्रवार, 14 फरवरी को जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इस दौरान उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज चल रहा था, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती गई। इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिखे। इसके साथ ही प्लेटलेट्स भी कम पाई गईं। हालांकि इलाज के बाद उन्हें अस्ताल से डिस्चार्ज भी कर दिया गया था।

पहले गैर-यूरोपीय थे पोप फ्रांसिस

कैथोलिक चर्च के इतिहास में एक नया अध्याय 2013 में जुड़ा, जब अर्जेंटीना के जेसुइट पादरी जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो को चर्च का सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस चुना गया। वे रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप रहे और बीते 1000 वर्षों में पहले ऐसे पोप बने जो यूरोप से नहीं, बल्कि दक्षिण अमेरिका से ताल्लुक रखते थे।

फ्लोरेंस में जन्में

पोप फांसिस का जन्म 17 दिसंबर 1936 को अर्जेंटीना के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। उनका बचपन और युवावस्था ब्यूनस आयर्स में बीता। उनके दादा-दादी इटली से आकर अर्जेंटीना में बसे थे, जब इटली में तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी का शासन था। जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो ने सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट्स) में दीक्षा ली और ब्यूनस आयर्स यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र और धर्मशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की। 1998 में वे ब्यूनस आयर्स के आर्कबिशप बने और 2001 में पोप जॉन पॉल द्वितीय ने उन्हें कार्डिनल नियुक्त किया।

सादगी और सहानुभूति थी पहचान

पोप फ्रांसिस अपने सादगीपूर्ण जीवन, सामाजिक न्याय के लिए उठाई गई आवाज़ और गरीबों के प्रति सहानुभूति के लिए जाने जाते रहे हैं। उनके नेतृत्व में चर्च ने कई आधुनिक विषयों पर खुले विचारों की ओर कदम बढ़ाया था। उनका यूं इस दुनियां को हमेशा के लिए अलविदा कह जाना न केवल कैथोलिक समुदाय बल्कि बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक दुःखद क्षण है। वे अपने कार्यों के माध्यम से हमेशा याद किए जाएंगे।

6 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान, उप्र सहित कई राज्यों में भीषण गर्मी और हीटवेव का अलर्ट

नई दिल्ली।

देश में कहीं बारिश तो कहीं भीषण गर्मी की खबरें आ रहीं है। जम्मू कश्मीर के रामबन में फटे बादलों ने जहां तबाही मचाई वहीं कई राज्यों में भीषण गर्मी से लोग बेहाल हो रहे हैं। मौसम विभाग ने रविवार को जानकारी दी है कि 5 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। वहीं, मध्य भारत में मंगलवार से अधिकतम तापमान के 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ने के आसार हैं। पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान 4 से 6 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। इसके अलावा विभाग ने कई राज्यों में लू की चेतावनी जारी की है। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के लिए भारत मौसम विभाग ने भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जिससे राहत मिलना इस सप्ताह मुश्किल है। इधर, पहले ही बारिश की मार झेल रहे जम्मू और कश्मीर को सोमवार को भी राहत के आसार नहीं है। विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने बताया है कि दक्षिण उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में 22 से 24 अप्रैल, राजस्थान, हरियाणा में 23 और 24 अप्रैल, विदर्भ में 21 से 23 अप्रैल तक लू की स्थिति बन सकती हैं। वहीं, तमिलनाडु, पुडुचैरी, करईकल में 22 अप्रैल तक मौसम बेहद गर्म और उमस भरा रह सकता है। गुजरात में 22 से 24 अप्रैल तक ऐसे मौसम के आसार हैं। छत्तीसगढ़ में 24 अप्रैल तक बारिश के आसार हैं। मौसम

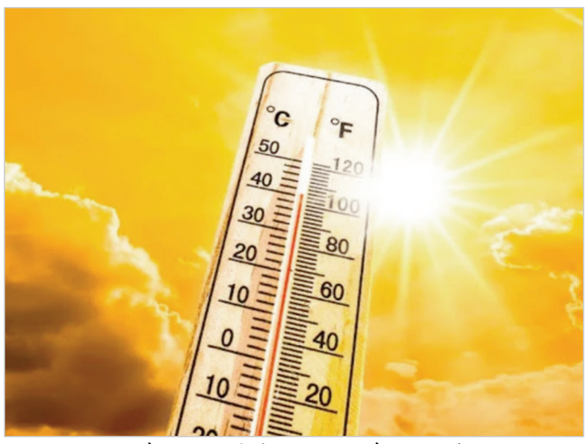

विभाग का कहना है कि 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर बारिश के आसार हैं। साथ ही आंधी, गरज और तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

जम्मू-कश्मीर में फिर बारिश

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद में 21 अप्रैल को आंधी और गरज के साथ हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पूर्वी भारत में 3 दिनों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा- हिंदी नहीं थोपेंगे, पर अंग्रेजी की दीवानगी क्यों?

मुंबई।

तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में भाषा विवाद भी गहराता जा रहा है। पुणे में भंडारकर शोध संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, यह कहना गलत है कि हिंदी थोपने का प्रयास किया जा रहा है। महाराष्ट्र में मराठी अनिवार्य रहेगी। इसके अलावा कोई अन्य अनिवार्यता नहीं होगी। फडणवीस ने भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के बारे में लोगों की धारणा पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं एक बात से हैरान हूं।

हम हिंदी जैसी भारतीय भाषाओं का विरोध करते हैं, लेकिन अंग्रेजी की प्रशंसा करते हैं। कई लोगों को ऐसा क्यों लगता है कि अंग्रेजी उनके ज्यादा करीब है और भारतीय भाषाएं उनसे दूर हैं? हमें इस बारे में भी सोचना चाहिए।

स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने की सरकार की मंजूरी पर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा, हमें यह समझने की जरूरत है कि मराठी के स्थान पर हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति में कहा गया है कि विद्यार्थियों को पढ़ाई जाने वाली तीन भाषाओं में से दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 'नई शिक्षा नीति ने तीन भाषाएं सीखने का अवसर प्रदान किया है। भाषाएं सीखना महत्वपूर्ण है। नियम कहता है कि इन तीन भाषाओं में से दो भारतीय होनी चाहिए। मराठी को पहले से ही अनिवार्य है। आप हिंदी, तमिल, मलयालम या गुजराती के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं ले सकते। उन्होंने कहा कि सिफारिशों के अनुसार हिंदी भाषा के लिए शिक्षक उपलब्ध हैं।

हिमाचल में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि से फसल बर्बाद, किसानों को मुआवजे की आस

शिमला ।

हिमाचल में मौसम ने कई जगह नुकसान पहुंचाया है। बीते 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि ने फसलों को बर्बाद किया है, हमीरपुर के भलेठ गांव में तूफान से पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एक महिला की मौत हुई। मृतक संतोष कुमारी जंगल से लकड़ियां लेने गई थी कि घर से कुछ दूरी पर पेड़ की चपेट में आ गई।

ऊपरी शिमला के सेब बहुल इलाकों रोहडू, खड़ापत्थर, ठियोग, जुब्बल, कोटखाई, रोहडू और चौपाल में भारी ओलावृष्टि ने सेब की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। आजकल सेब में फूल रहे है लेकिन ओलावृष्टि से फूल झड़ गए हैं। इसके अलावा सब्जियों की फसल भी बर्बाद हुई है। वहीं सब्जी फूल उत्पादक संघ के अध्यक्ष ने मौसम से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि हर साल फसलों के नुकसान का आंकलन होता है, लेकिन मुआवजे के नाम पर कुछ नहीं मिलाता है। साथ ही, बीमा प्रक्रिया किसानों और बागवानों के हितों से खिलवाड़ करती है। जिला बिलासपुर व

हमीरपुर में वर्षा के साथ हुई ओलावृष्टि से गेहूं की फसल व फलदार पौधों को नुकसान हुआ। कांगड़ा जिले में वर्षा से गेहूं की फसल प्रभावित हुई।

लाहौल स्पीति सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी जारी है। हिमपात के कारण मनाली-जंस्कार मार्ग पर यातायात बंद है। शिंकुला में आधा फीट हिमपात होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। भारी वर्षा से लाहुल घाटी के तिंदी व जंगल कैंप के समीप नाले में बाढ़ आ गई। मौसम विभाग ने किसानों, बागवानों और यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और समय-समय पर अपडेट प्रदान कर रहा है।

आज से जम्मू-कश्मीर को राज्य के दर्जे की बहाली की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

जिले और विधानसभा क्षेत्रों में होगा विरोध प्रदर्शन

जम्मू।

जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस पूरे जम्मू-कश्मीर में प्रत्येक जिले और विधानसभा क्षेत्रों तथा ब्लॉकों में राज्य के दर्जे की बहाली को लेकर आंदोलन तेज कर संविधान बचाओ अभियान शुरू करेगी। इसके साथ ही पार्टी बीजेपी सरकार की भ्रामक रणनीति को भी जनता के सामने लाएगी। जेकेपीसीसी प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने संविधान को बचाने और राज्य का दर्जा बहाल करने के आंदोलन को तेज करने केंद्र शासित प्रदेश, प्रांतीय, जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में अभियान चलाने एआईसीसी (एसआईसीसी) के निर्देशों को लागू करने का कार्यक्रम तैयार है। जेकेपीसीसी कर्रा की अध्यक्षता में

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की बैठक हुई, इसमें 22 अप्रैल को जम्मू में सभी जिलों और ब्लॉकों के वरिष्ठ नेताओं की विस्तारित बैठक के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया। बैठक के बाद 29 अप्रैल को जम्मू में केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संविधान पर हमले और उसकी प्रतिशोधात्मक राजनीति के खिलाफ प्रांत स्तरीय विरोध रैली का आयोजन होगा। कांग्रेस पार्टी रोजगार के मोर्चे, महंगाई, कराधान के अलावा मोदी सरकार की विभाजनकारी और सांप्रदायिक तथा प्रतिशोधात्मक राजनीति के बारे में जनता को बताएगी।

बैठक में बताया गया कि डेढ़ माह तक चलने वाले कार्यक्रम में राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर बीजेपी के विश्वासघात और लोगों की पीड़ा को पूरा करने के लिए निर्वाचित सरकार को अधिकार न देने का खुलासा होगा।

अलीगढ़ में घर की डोर बेल बजाकर संघ प्रमुख ने पूछा यह बाल स्वयंसेवक का घर है?

-लाठी चलाने में दक्ष 6 साल के विभोर से मिले भागवत, आशीर्वाद भी दिया

लखनऊ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का यह शताब्दी वर्ष है। संघ प्रमुख मोहन भागवत पिछले कई दिनों यूपी के अलीगढ़ प्रवास पर थे, लेकिन इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसा किया जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। शनिवार सुबह मोहन भागवत अचानक अलीगढ़ के एक मोहल्ले में पहुंचे, एक घर की डोर बेल बजाई और पूछा कि क्या यह बाल स्वयंसेवक का घर है? घरवालों ने घर के दरवाजे पर संघ प्रमुख मोहन भागवत को देखा तो आश्चर्य चकित रह गए। दरअसल, यह बाल स्वयंसेवक विभोर शर्मा का घर था, जिसके पिता विभाकर शर्मा स्वयं संघ के स्वयंसेवक हैं और नियमित रूप से शाखा में जाते हैं। महज 6 साल का विभोर लाठी चलाने में दक्ष है। संघ की शाखा में लाठी चलाने की विशेष शिक्षा दी जाती है, जो शाखा का अभिन्न अंग माना जाता है। भागवत स्वयं कभी संघ के शारीरिक प्रमुख रहे हैं और लाठी चलाने में उन्हें भी महारथ हासिल थी, जब उन्हें विभोर के बारे में जानकारी मिली, तो वे खुद उससे मिलने उसके घर पहुंच गए। आरएसएस ने अपने शताब्दी वर्ष के अवसर पर अपनी शाखाओं को लेकर कई लक्ष्य तय किए हैं। हर बस्ती में शाखा लगाना, हर घर तक संघ को पहुंचाना और ज्यादा से ज्यादा स्वयंसेवक तैयार करना ताकि 100 साल बाद भी नए स्वयंसेवक संघ को युवा रख जा सकें। यदि 100 साल के आरएसएस को युवा रखना है, तो बाल स्वयंसेवक ही इसकी रीढ़ होंगे, जो इसे अगली पीढ़ी तक ले जाएंगे। इस बाल स्वयंसेवक के घर जाकर भागवत ने यह संदेश दिया कि सियासत नहीं, शाखा ही संघ की प्राथमिकता है। संघ प्रमुख ने विभोर के घर आधा घंटा बिताया, उनके परिवार से बातचीत की और आशीर्वाद दिया। विभोर के पिता आईटी क्षेत्र में काम कर चुके हैं। उन्होंने अपने परिवार में संघ के संस्कारों को गहराई से स्थापित किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानव सभ्यता को बचाने के लिये पृथ्वी संरक्षण जरूरी

आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है, न अमेरिका का टैरिफ वार है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकुड़ रहे जलस्रोत, विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बड़े खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व पृथ्वी दिवस का ध्येय है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है।

(लेखक- ललित गर्ग)

(विश्व पृथ्वी दिवस -22 अप्रैल 2025)

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता संकट को रोकने के लिए कार्रवाई का एक क्रांतिकारी आह्वान है पृथ्वी दिवस जो पूरे विश्व में 22 अप्रैल को मनाया जाता है। पृथ्वी या सृष्टि के संरक्षण और स्थिरता के लिए जागरूकता पैदा करना इसलिये आवश्यक हो गया कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण प्रकृति एवं पर्यावरण पर गहरे संकट है। वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम है 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह', जो यह स्पष्ट करता है कि जलवायु परिवर्तन और हमारे पर्यावरण के दुरुपयोग से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा की तत्काल आवश्यकता है। हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन् 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। 190 से अधिक देशों को पृथ्वी दिवस में शामिल करते हुए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है जो प्लास्टिक प्रदूषण, नवीकरणीय संसाधन, ग्लोबल वार्मिंग और टिकाऊ जीवन जैसी प्रमुख पर्यावरणीय चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। वृक्षारोपण, सफाई अभियान, शैक्षिक अभियान और वकालत वैश्विक स्तर पर सरकारों, संगठनों, स्कूलों और समुदायों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में से हैं। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक सही निर्णय लेने तथा पृथ्वी के अनुकूल नीतियों के पक्ष में खड़ा करता है और इस बात पर जोर देता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप कहीं भी रहते हों, आप पृथ्वी को अधिक स्वस्थ और टिकाऊ बनाने में योगदान दे सकते हैं और ऐसा करते हुए शांति की स्थापना एवं शांतिपूर्ण जीवन को सुदृढ़ बना सकते हैं। इस दिवस के माध्यम से ऐसे विचारों एवं जीवनशैली को संगठित करना है जिससे पर्यावरण नीति निर्माता सरकारों को प्रेरित करें ताकि पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए कानूनों और प्रथाओं में बदलाव हो सके एवं वैज्ञानिक नवाचारों और हरित प्रौद्योगिकियों के विचार को बल देते हुए पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने और भविष्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा सके।

आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रुव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी एवं अनेक नयी-नयी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी। इसीलिये विश्व पृथ्वी दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन को संभव बनाने की दिशा में काम करेगा क्योंकि यह पर्यावरण जागरूकता की संस्कृति को विकसित करता है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को पृथ्वी का सक्रिय संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाता है। जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्जा देते हैं उसे हम खुद अपने ही हाथों दूषित करने में कैसे लगे रहते हैं? आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। अगर पृथ्वी के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं, इसलिये पृथ्वी अनमोल तत्व है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से प्रकृति की संरचना सुन्दर एवं जीवनमय होती है। अपनेल्अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी पर अत्याचार रोकना होगा और कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से औद्योगिक क्रांति पर नियंत्रण करना होगा, क्योंकि उन्हीं के कारण कार्बन उत्सर्जन और दूसरी तरह के प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही इस दिवस को मनाया जाता है।

आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है, न अमेरिका का टैरिफ वार है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकुड़ रहे जलस्रोत, विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बड़े खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व पृथ्वी दिवस का ध्येय है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। साथ ही साथ हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पृथ्वी और उसके पर्यावरण एवं प्रकृति के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं।

जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी और प्रकृति का निर्माण होता है। यदि यह तत्व न हों तो पृथ्वी और प्रकृति इन तीन तत्वों के बिना अधूरी है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है। आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में पड़ गए हैं। अनेक शहर पानी की कमी से परेशान हैं। कत्लखानों में कटती गायों की निरीह आहें जिसे बेचैन कर देती थी। जो वन्य पशु-पक्षियों को खदेड़कर अपनी बस्तियों बनाने का बौना स्वार्थ नहीं पालता था। अब वही मनुष्य अपने स्वार्थ एवं सुविधावाद के लिये सही तरीके से प्रकृति का संरक्षण न कर पा रहा है और उसके कारण बार-बार प्राकृतिक आपदाएं कहर बरपा रही है। रेगिस्तान में बाढ़ की बात अजीब है, लेकिन हमने राजस्थान में अनेक शहरों में बाढ़ की विकराल स्थिति को देखा हैं। वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा।

आज पॉलीथीन पृथ्वी के लिये सबसे बड़ा सिरदर्द बन गई है। इसके नष्ट न होने के कारण भूमि की उर्वरक क्षमता खत्म हो रही है। इनको जलाने से निकलने वाला धुआँ ओजोन परत को भी नुकसान पहुँचाता है जो ग्लोबल वार्मिंग का बड़ा कारण है। देश में प्रतिवर्ष लाखों पशु-पक्षी पॉलीथीन के कचरे से मर रहे हैं। हमें वर्षा के जल को पुनः उपयोग में लाने वाली प्रणाली को विकसित करना होगा। हमें बिजली की बर्बादी को भी रोकना होगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं है जब हम अंधेरे में ही अपना जीवन-यापन करने को मजबूर हो जायेंगे। हमें कागज के उपयोग को सीमित करना होगा, क्योंकि कागज पेड़ों की लकड़ी से बनता है जिसके लिए हमें बड़ी संख्या में पेड़ काटने पड़ते हैं। आजकल भूमि भी जहरीली होती जा रही है जिससे उसमें उगने वाली वनस्पतियों में विषाक्तता बढ़ती जा रही है। प्रकृति से सहज रिश्ता कायम हो। जीवन शैली में बदलाव आये। हर क्षेत्र में संयम की सीमा बने। हमारे दिमागों में भी जो स्वार्थ एवं सुविधावाद का शैतान बैठा हुआ है, उस पर अंकुश लगे। अन्यथा निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है।

संपादकीय

बदलेगा मनरेगा

भले ही मौजूदा केंद्रीय सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर उत्साहजनक प्रतिसाद नजर न आता हो, लेकिन बदलते वक्त में पैदा चुनौतियों में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। कोरोना काल ने इस योजना की उपयोगिता को साबित किया है। देश के ग्रामीण अंचल में जहां एक ओर लाखों श्रमिकों व महिलाओं को रोजगार मिला, वहीं अन्य राज्यों के लिये होने वाले पलायन पर रोक लगी। सही मायनों में देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये एक उम्मीद बनकर उभरा है मनरेगा। खासकर अकुशल श्रमिकों को अपने घर के आसपास काम मिलने से लाखों घरों के चूल्हे जलते रहे हैं। लंबे समय से इस योजना के लिये धन आवंटन तथा काम के दिन व मजदूरी बढ़ाने की मांग होती रही है। जिस पर संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगा दी है। दरअसल हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम सप्ताह में संसदीय समिति ने मंदी की आहट व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते श्रम दिवसों की संख्या डेढ़ सौ दिन करने के साथ मजदूरी चार सौ रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में ये बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं। मौजूदा दौर में कम मजदूरी में जीवन-यापन लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि ये बदलाव सिरे चढ़ते हैं तो योजना के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। जिसे मूर्तरूप देने हेतु मनरेगा के लिये आवंटित धन में वृद्धि भी जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि मनरेगा को लेकर अनेक विसंगतियां भी सामने आई हैं। इसमें भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिये लाभ उठाने के मामले हैं। आधार कार्ड के जरिये भुगतान ऑनलाइन करने के बाद लाखों श्रमिक फर्जी पाये गए। निस्संदेह, योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जरूरी है। लेकिन मानना चाहिए कि ग्रामीण इलाकों में कम पढ़े-लिखे लोगों व ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग न कर पाने से भी कई तरह की विसंगतियां सामने आ सकती हैं। इसमें ठेकेदारों की मनमानी व अनियमितताओं की भी भूमिका हो सकती है। दरअसल, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने योजना का मूल्यांकन करके कई रचनात्मक सुझाव दिए थे। जिसमें राज्यों में मजदूरी में एकरूपता लाने तथा काम के दिन बढ़ाने के भी सुझाव शामिल थे। जिस पर अब संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगाई है। साथ ही,नीतिगत सुधारों के लिये पारदर्शी सर्वेक्षण की बात भी कही गई है। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के जरिये उत्पादक कार्यों को बढ़ावा दिया जाए। जिससे देश की कर्मशील आबादी में वृद्धि होगी। शायद तब देश के अस्सी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज बांटने की जरूरत न होगी। लेकिन साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के बजट आवंटन में जो ठहराव पिछले दिनों देखने में आ रहा था, उसे भी दूर किया जाए। जिसको लेकर विपक्षी कांग्रेस सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलती रही है। कांग्रेस अपने कार्यकाल में लायी गई योजना को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये सुरक्षा कवच बताती रही है।

धधकती धरतीः विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

(लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

(विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) पर विशेष)

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

(चिंतन-मनन)

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सर्वांगीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

विचार मंथन

10000 प्रशासनिक अधिकारियों के जिम्मे नागरिकों के मौलिक अधिकार

(लेखक- सनत जैन)

भारत में 21 अप्रैल को सिविल सर्विस डे मनाया जाता है। भारतीय संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित किया है। संविधान ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के रूप में ब्रह्मा, विष्णु, महेश की तर्ज पर भारतीय संविधान की रचना की है। संविधान ने सभी की जिम्मेदारी तय की है। संविधान द्वारा न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका को अधिकार और कर्तव्य दोनों ही सुनिश्चित किए गए हैं। संविधान निर्माताओं में से एक स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल, ने 10 अक्टूबर 1949 को सिविल सेवा के अधिकारियों की भूमिका पर मार्गदर्शन देते हुए कहा था। मेरी सलाह है, आप पूरी स्वतंत्रता के साथ कार्य करें। यदि आप मुखिया हैं, तो अपने अधीनस्थ को स्वतंत्रता से बोलने का अवसर दें। अधिकारियों को बिना किसी डर या पक्षपात के अपने विचार रखने की आजादी है। यदि विचार रखने की स्वतंत्रता नहीं होगी, ऐसी स्थिति में भारत का नवनिर्माण नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि मेरा सचिव यदि मेरे किसी विचार से सहमत नहीं है, तो भी वह अपने विचार पूरी स्वतंत्रता के साथ लिख सकता है। प्रशासनिक सेवा के अधिकारी किसी डर और भय के कारण स्पष्ट राय नहीं देते हैं। उसे लगता है, कि मंत्री या वरिष्ठ अधिकारी नाराज हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक सेवा में रहने का कोई कारण नहीं है। पटेल ने प्रथम संबोधन में सांसदों से अपेक्षा की थी। प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का सम्मान और उनके अच्छे कार्यों का समर्थन करें। यदि वह लापरवाही और गलत काम करते हैं। ऐसी स्थिति में शासन का ध्यान आकर्षित करें। अच्छे कार्यों की प्रशंसा करें। सरदार पटेल कठोर प्रशासक के रूप में जाने जाते है। स्वतंत्रता मिलने के पश्चात उन्होंने रियासतों को भारत में विलय करने के लिए जो कार्य किया था। उसकी प्रशंसा आज भी सारी दुनिया में होती है। उन्होंने भारतीय सेवा के अधिकारियों को सजाह देते हुए कहा था। प्रशासन को पूरी तरह से निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त बनाएं। सिविल सेवा के अधिकारी को राजनीति में भाग नहीं लेना चाहिए। सांप्रदायिक विवादों में उसे दूर रहना चाहिए। भारतीय सेवा के अधिकारियों से उम्मीद की जाती है। वह बिना किसी डर या पक्षपात के बाहरी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपना कार्य करेंगे। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नेताओं की पीढ़ी में भारतीय सेवा के अधिकारी बेहतर ढंग से संविधान के अनुरूप अपना कार्य कर रहे थे। भारत में जब से गठबंधन की सरकारें आना शुरू हुई हैं। उसके बाद भारतीय सेवा के अधिकारियों में भारी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। वह सत्ता के दबाव और प्रलोभन के चलते अपनी भूमिका का सही ढंग से निर्वाह नहीं कर रहे हैं। यही नहीं कह पा रहे हैं। जिसके कारण भारत की कार्यपालिका मैं डर, भय, पक्षपात और भ्रष्टाचार अब सभी और देखने स्थिति विधायिका की हो गई है। जो अपने आप को संविधान से भी सर्वोपरि मानने लगी है। विधायिका को लगता है, चुनाव जीतने के बाद वह जो चाहे कर सकते हैं। न्यायपालिका को संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने जो अधिकार दिए हैं। जज अपने कर्तव्य का पालन नियम कानून और संविधान के अनुरूप करें। न्यायपालिका को संविधान ने सीधे अधिकार नहीं दिए हैं। विधायिका और कार्यपालिका के शासन-प्रशासन तंत्र द्वारा यदि संविधान के अनुसार कार्य नहीं किये जाने पर नियंत्रित करने के अधिकार दिये है। संविधान ने न्यायपालिका को विधायिका और कार्यपालिका के पर अंकुश बनाये रखने का दायित्व सौंपा है। सरकार का दबाव अब न्यायपालिका के ऊपर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। उसमें न्यायपालिका अब विफल होती हुई दिख रही है। विधायिका और कार्यपालिका ऐसा कोई कानून नहीं बना सकती है। जिससे नागरिकों के या किसी समुदाय के मौलिक अधिकारों का हनन हो। कोई ऐसा नियम भी नहीं बनाया जा सकता है। विधायिका और कार्यपालिका को नियंत्रित करने के लिये संविधान ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों को विशेष अधिकार दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राज्यपालों की भूमिका में संघीय व्यवस्था तथा वक्फ कानून को लेकर सही समय पर सही निर्णय करने से सरकार बौखला गई है। सरकार के नुमाइंदे न्यायपालिका के ऊपर तरह-तरह के आरोप लगा रहे हैं। शुद्ध हिंदी में कहा जाए तो न्यायपालिका पर दबाव बनाकर उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान रुख से आम नागरिकों का न्यायपालिका के ऊपर भरोसा जागा है, जो पहिले खत्म होता जा रहा था।

रेवंत रेड्डी ने 'ओसाका एक्सपो' में 'तेलंगाना जोन' का उद्घाटन किया

हैदराबाद। जापान की यात्रा पर गए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को ओसाका एक्सपो में भारत मंडप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषित किया कि तेलंगाना ओसाका एक्सपो में शामिल होने वाला पहला भारतीय राज्य बन गया है। ओसाका एक्सपो पांच साल में एक बार आयोजित किया जाता है और यह क्षेत्रों के इकोनॉमिक और कला-सांस्कृतिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के विकास के लिए जापानी एजेंसियों से मदद मांगी और हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना के लिए भी जेआईसीए से ऋण की मांग की।इस साझेदारी के माध्यम से, तेलंगाना की कला, संस्कृति, व्यापार और पर्यटन क्षमता को दुनिया भर में प्रस्तुत किया जाएगा। इसे निवेशकों के ध्यान में भी लाने का प्रयास किया जाएगा।

एटीएम से कैश निकालना और बैलेंस चेक करना होगा महंगा

नए नियम 1 मई 2025 से लागू

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकिंग ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई है, जिसके अनुसार एटीएम तकनीकियों का उपयोग करने पर 1 मई 2025 से चार्जों में बढ़ोतरी की जा रही है। यह नया नियम खासकर एटीएम से कैश निकालने और बैलेंस चेक करने वाले ग्राहकों को प्रभावित करेगा। कैश निकासी का शुल्क 17 से बढ़कर 19 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन होगा, बैलेंस चेक का शुल्क 6 से बढ़कर 7 प्रति ट्रांजैक्शन होगा, मेट्रो शहरों में 5 और नॉन-मेट्रो क्षेत्रों में 3 फ्री ट्रांजैक्शन के बाद ये नए चार्ज लागू होंगे। बड़े बैंकों जैसे की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भी अपने एटीएम नियमों में परिवर्तन किए हैं। एसबीआई ग्राहकों के लिए नए फ्री ट्रांजैक्शन और चार्जों के बारे में आंकड़ों की जानकारी दी गई है जो 1 फरवरी 2025 से लागू होंगे।

उच्च मांग से जिंक वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी के बीच वायदा कारोबार में सोमवार को जस्ता की कीमत 80 पैसे की तेजी के साथ 248.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में मई डिलीवरी के लिए जस्ता अनुबंध की कीमत 80 पैसे (0.32 प्रतिशत) की तेजी के साथ 248.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 2,008 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि उपभोक्ता उद्योगों की मांग में तेजी के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में जस्ता कीमतों में तेजी आई।

अमेरिका में बढ़ी भारतीय खिलौनों की मांग

मुंबई। दुनिया भर के व्यापारिक संघर्ष के बीच, भारत के खिलौना उद्योग को एक नया द्वार खुलने के लिए तैयारियों में है। चीन से आयातित खिलौनों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क के कारण, भारतीय खिलौना निर्माताओं को अमेरिकी बाजार में अपनी पहचान बनाने का मौका मिल रहा है। भारतीय खिलौना संघ के अनुसार, 40 से अधिक कंपनियों ने अमेरिका के कठिन नियमों को पूरा करने में सक्षम पाए गए हैं। इन कंपनियों में से 20 ने पहले से ही निर्यात की प्रक्रिया शुरू कर दी है और अमेरिकी बाजार में अपनी पकड़ बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रही है। अमेरिका के खिलौना बाजार का मूल्यांकन भी वास्तविकता को दर्शाता है। इस बाजार में उद्यमिता की तीव्र वृद्धि के साथ, भारतीय खिलौना उद्योग को बड़ा मौका मिल सकता है। भारतीय खिलौना उद्योग के इस कदम से न केवल व्यापारिक मामलों में विकास होगा, बल्कि देश को रोजगार और मेक इन इंडिया के माध्यम से भी लाभ हो सकता है। इस सफलता की दिशा में अब सभी आंकड़ों के संभावित उभराव के साथ, भारत नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हो रहा है।

नई स्पोर्ट्स बाइक अपाचे आरआर 310 का 2025 वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली।

टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी नई स्पोर्ट्स बाइक अपाचे आरआर 310 का 2025 वर्जन भारत में लॉन्च कर दिया है। नया मॉडल अब ओबीडी-2बी उत्सर्जन मानकों के अनुरूप है। नई अपाचे आरआर310 में 312सीसी का रिवर्स-इन्क्लाइंड डीओएचसी इंजन है, जो 38क्क की पावर और 29 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। बाइक में चार राइडिंग मोड्स - ट्रक, स्पोर्ट, अर्बन और रैन - दिए गए हैं, जो विभिन्न परिस्थितियों में बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं। इसके अलावा, इसमें सेगमेंट में पहली बार सीक्वेंशियल टर्न सिग्नल लैंप्स और कॉर्नरिंग ड्रैग टॉर्क कंट्रोल जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। अपाचे आरआर 310 तीन स्टैंडर्ड वेरिएंट्स और तीन बीटीओ कस्टमाइजेशन ऑप्शंस में उपलब्ध है।

स्टैंडर्ड वेरिएंट्स की कीमत रुपए 2,77,999 से रुपए 2,99,999 तक है, जबकि बीटीओ कस्टमाइजेशन की कीमत रुपए 10,000 से रुपए 18,000 तक है।

नई अपाचे आरआर 310 पहले से ज्यादा पावरफुल, टेक्नोलॉजी से भरपूर और परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड हो गई है, जो इसे स्पोर्ट्स बाइक प्रेमियों के लिए एक शानदार विकल्प बनाती है।टीवीएस ने नई बाइक में लॉन्च कंट्रोल, मल्टी-लैंग्वेज सपोर्ट वाला रेस कंप्यूटर और नए डिजाइन वाले 8-स्पोक अलॉय व्हील्स भी शामिल किए हैं। इसके साथ ही, नया रंग विकल्प सेपांग ब्लू रेस रेप्लिका भी पेश किया गया है।

भारत के लिए सरसों की खली निर्यात करने का मौका

चीन-कनाडा टैरिफ युद्ध से उठ उठाए अवसर

नई दिल्ली। चीन और कनाडा के बीच टैरिफ युद्ध के मद्देनजर, भारत के लिए एक बड़ा सुनहरा मौका उभरा है। सूत्रों के अनुसार, भारत अब चीन को सरसों की खली का निर्यात कर सकता है। यह नई व्यापारिक अवसर भारत के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये का फायदा लाभान्वित कर सकता है। सरसों की खली, जो सरसों का तेल निकालने के बाद बची रह जाती है, एक मूल्यवान उत्पाद है जिसकी चीन में बहुत बढ़ती मांग है। भारतीय उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशनने वाणिज्य मंत्रालय को एक पत्र लिखकर चीन के लिए सरसों की खली निर्यात करने की संभावना को उजागर किया है। भारत के पास इस उत्पाद की अच्छी मात्रा मौजूद है, जिससे अब यह अच्छा मुनाफा कमाने का मार्ग स्पष्ट हो गया है। चीन ने कनाडा से आने वाली सरसों की खली और कैनोला ऑइल पर 100 फीसदी ड्यूटी लगा दी है, जो की चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लगाए गए टैक्स के जवाब में है। इसके परिणामस्वरूप, भारतीय कंपनियों को चीनी बाजार में अपने निर्यात का पैमाना बढ़ाने का एक नया अवसर प्राप्त हुआ है।

सोने और चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट

सोने का भाव 97,700 रुपए प्र ति दस ग्राम, चांदी लगभग 99,900 रुपए

नई दिल्ली।

हफ्ते के पहले दिन सोमवार को सोने के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। बीते हफ्ते शुक्रवार की तुलना में सोना सस्ता हुआ है। देश के ज्यादातर राज्यों में सोने का भाव 97,700 रुपये के ऊपर ही कारोबार कर रहा है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ वार के कारण सोना नए पीक लेवल के आसपास ही कारोबार कर रहा है। चांदी का भाव 99,900 रुपये पर है। चांदी के भाव बीते शुक्रवार के भाव के आसपास ही कारोबार कर रहे हैं। सोमवार 21 अप्रैल 2025 को दिल्ली में 22 कैरेट सोने का दाम 89,590 रुपये और 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। मुंबई में 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये और 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। बीते शुक्रवार की तुलना में सोने के भाव में मामलूी करेक्शन आया है। बीते हफ्ते दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 97,730 रुपये था। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव और टैक्स की लड़ाई की वजह से सोने की कीमतों में काफी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। वै श्विक बाजार में सोना फिर से महंगा हो गया है, जिससे भारत में भी इसकी कीमतें ऊंची बनी हुई हैं।` विशेषज्ञ का कहना है कि अगर बाजार में हालात सामान्य रहते हैं तो अगले 6 महीने में सोने की कीमत करीब 75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक रह सकती है, लेकिन अगर अमेरिका-चीन का टैरिफ विवाद और बढ़ा, तो सोना 1,38,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक भी जा सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 855, निफ्टी 273 अंक बढ़ा

निवेशकों को 6 लाख करोड़ रुपये का लाभ

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेज के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार में उछाल आया है। आईटी और बैंकिंग शेयरों में तेजी के साथ ही भारत-अमेरिका के बीच व्यापार करार की उम्मीदों से भी निवेशकों का उत्साह बढ़ा। सेंसेक्स जहां 855 अंक ऊपर आया वहीं निफ्टी भी ऊपर आकर 24,100 के आगे निकल गया। यह इसका पिछले करीब 4-महीनों का सबसे उच्च स्तर है। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉल इंडेक्स भी 2 फीसदी तक बढ़कर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और यस बैंक के शानदार तिमाही परिणामों से भी बाजार में आज तेजी रही। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की वापसी से भी बाजार को बल मिला है।कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 855.30 अंक करीब 1.09 फीसदी बढ़कर 79,408.50 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 273.90 अंक तकरीबन 1.15 फीसदी बढ़कर 24,125.55 के स्तर पर बंद हुआ।आज कारोबार के दौरान निफ्टी बैंक रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक पहली बार 55,000 के पार बंद हुआ। मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स में 2 फीसदी से ज्यादा तेज रही। बैंकिंग, आईटीम शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। स्न्नस्स्त्रत्न को छोड़ सभी सेक्टर क्षेत्रों में तेजी आई। उर्जा, तेल-गैस, रियल्टी शेयरों में खरीदारी हावी रही। सेंसेक्स-निफ्टी 1त्न की बढ़त के साथ हुए बंद सेंसेक्स-निफ्टी लगातार 5वें दिन बढ़त पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक पहली बार 55,000 के पार बंद हुआ। मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स में 2 फीसदी से ज्यादा तेज रही। एफएमसीजी को छोड़कर सभी सेक्टर इंडेक्स में तेजी दर्ज की गयी। एनर्जी, तेल-गैस, रियल्टी शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। इससे भी भारतीय बाजार को बल मिला है। शेयर बाजार की इस तेजी से निवेशकों को करीब सवा 6 लाख करोड़ का लाभ हुआ है। इसका कारण है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर 425.83 लाख करोड़ पहुंच गया है। ये पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को 419.60 लाख करोड़ रुपये रहा था। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा बढ़कर 79,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी भी तकरीबन 150 अंक उछलकर 24,000 के स्तर पर कामकाज करता दिखा। वहीं एफएमसीजी और वाहन शेयरों में कमजोरी दिखी। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 429 अंक (1.24फीसदी) की गिरावट दर्ज की गयी। कोरिया के कोस्पी में 2,484 के स्तर पर सपाट कारोबार हुआ। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.30 फीसदी की बढ़त रही और ये 3,286 पर कारोबार कर रहा था जबकि हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स में आज कारोबार नहीं हो रहा है। अमेरिका का डाउ जोन्स 527 अंक (1.33 फीसदी) और नैस्डेक कंपोजिट 20 अंक (0.13 फीसदी) नीचे आया जबकि एसएंडपी 500 इंडेक्स 7 अंक (0.13फीसदी) की हल्की बढ़त पर बंद हुआ।

बीते वित्त वर्ष वाहन निर्यात 19 फीसदी बढ़कर 53.63 लाख इकाई हुआ

जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में यात्री, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की मांग में तेजी की वजह से बीते वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल वाहन निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 53 लाख इकाई से अधिक हो गया है।` पिछले वित्त वर्ष में कुल वाहन निर्यात 53.63 लाख इकाई रहा, जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी है।

पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहनों का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़कर 7,70,364 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 6,72,105 इकाई था। उद्योग निकाय सियाम ने कहा कि भारत में बनने वाले वैश्विक मॉडल की मांग में बढ़ोतरी की वजह से इस खंड ने पिछले वित्त वर्ष में अपना बेहतर वार्षिक प्रदर्शन किया।

सियाम ने कहा कि विनिर्माण गुणवत्ता में सुधार के साथ, कुछ कंपनियों ने विकसित बाजारों में निर्यात भी शुरू कर दिया है। यूटिलिटी वाहनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और यह 3,62,160 इकाई रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के 2,34,720 इकाई की तुलना में यह 54 प्रतिशत की वृद्धि है।

पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 41,98,403 इकाई रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 34,58,416 इकाई था। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में तिपहिया वाहनों के निर्यात में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 3.1 लाख इकाई रहा।

पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 80,986 इकाई रहा, जबकि इससे पिछले साल यह 65,818 इकाई था।

नकली 500 के नोट की पहचान मुश्किल, सरकार ने जारी की चेतावनी

मुंबई।

भारतीय बाजार में एक नया चुनौती उत्पन्न हो गई है, जिसमें नकली 500 के नोट का प्रकट होना सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है। यह नकली नोट असली नोट के बहुत करीब दिखता है, जिससे उसे पहचानना मुश्किल हो रहा है।गृह मंत्रालय ने इस मामले पर कार्रवाई करने के लिए कई एजेंसियों को चेतावनी दी है और हाई अलर्ट पर रखा है। नकली नोट में` रिजर्व बैंक आफ इं डिया की स्पेलिंग में गलती होने की वजह से उसे पहचानना सामान्य नोट से कठिन बना देती है। सरकार ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है, जिसमें नकली नोटों की पहचान के लिए स्कैनिंग मशीनें उपलब्ध कराने का भी अंतर्गत है। नकली मुद्रा से निपटने के लिए सरकार ने एजेंसियों के सहायक समूह की गठन भी किया है। साथ ही आम आदमी, संगठनों और बैंकों से भी सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है, ताकि नकली नोटों का प्रसार रोका जा सके। नकली मुद्रा का नेटवर्क तोड़ने के लिए सरकार और एजेंसियों की मिलीभगत इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाने की कड़ी मेहनत कर रही है। आम आदमी के सुरक्षित और सुरक्षित नफरत में सुनिश्चित सहायता करने के लिए वे नकली नोटों के खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका पहुंचा भारत का अनार

समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया

मुंबई।

भारत के प्रमुख अनार निर्यात बाजारों में यूएई, बांग्लादेश, नेपाल, नीदरलैंड, सऊदी अरब और श्रीलंका के बाद अब अमे रिका भी शो मिल हो गया है। भारत से पहली बार महाराष्ट्र से न्यूयॉर्क तक समुद्री मार्ग से 14 टन अनार की पहली खेप भेजी गई है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अमेरिका के कृषि विभाग के पशु और पादप स्वास्थ्य निरीक्षण सेवा, राष्ट्रीय पादप संरक्षण संगठन और सोलापुर स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र के साथ मिलकर इस पहल को अंजाम दिया है। समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया, जिससे फलों की शेल्फ लाइफ 60 दिन तक बढ़ाई जा सकी।

इस खेप में 4,620 बॉक्स शामिल थे और पांच सप्ताह में इसे डिलीवर किया गया। गुणवत्ता और उपस्थिति दोनों के लिहाज से इसे अमेरिका में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2024 में एपीडा ने नियामक प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ पूर्व-मंजूरी कार्यक्रम भी आयोजित किया था। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 72,011 मीट्रिक टन अनार का निर्यात किया था जिसकी कीमत 69.08 मिलियन अमेरिकी डॉलर रही। वहीं, 2024-25 की अप्रैल से जनवरी अव में यह निर्यात 59.76 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 21 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

रुपया डॉलर के मुकाबले 33 पैसे बढ़कर 85 पर खुला

रुपया गुरुवार को 26 पैसे मजबूत होकर 85.38 पर बंद हुआ था

मुंबई।

ट्रंप के विभिन्न देशों पर लगाए गए आयात शुल्क के बाद डॉलर सूचकांक के तीन साल के निचले स्तर पर पहुंचने के कारण रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 33 पैसे की बढ़त के साथ 85.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी प्रवाह से निवेशकों की धारणा को बल मिला।

व्यापारियों ने कहा कि घरेलू संकेतकों में उत्साहवर्धक सुधार तथा वैश्विक परिस्थितियों में बदलाव के कारण पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में भारतीय रुपये में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे रुपया मजबूत बना हुआ है, जबकि प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में अनिश्चितता का माहौल है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.15 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.05 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 33 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे मजबूत होकर 85.38 पर बंद हुआ था। शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के कारण विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.31 पर रहा।

नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली।

चीन में ऑनर कंपनी 23 अप्रैल को अपने नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो को लॉन्च करने जा रहा है। टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन द्वारा वीबो पर की गई एक पोस्ट में इस स्मार्टफोन के बारे में जानकारी दी गई है। पोस्ट में बताया गया कि इस फोन ने अंतूतू बेंचमार्क पर 3,444,323 पॉइंट्स हासिल किए हैं, जो किसी भी डिवाइस द्वारा अब तक का सबसे बड़ा स्कोर हो सकता है। हालांकि टिपस्टर ने फोन का नाम स्पष्ट नहीं किया, लेकिन पोस्ट में दिख रहे स्टेटस बार के एलिमेंट्स से यह अंदाजा लगाया गया है कि यह हॉनर जीटी प्रो ही हो सकता है। इसके साथ ही इस स्मार्टफोन की प्री-ऑर्डर लिस्टिंग भी चीन में शुरू हो चुकी है, जो चार वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा - 12जीबी प्लस 256जीबी, 12जीबी प्लस 512जीबी, 16जीबी प्लस512जीबी और 16जीबी प्लस 1टीबी। फोन में 144एचझेड रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले होगा, जो यूजर्स को स्मूथ और फास्ट विजुअल एक्सपीरियंस देगा। इसके साथ ही इसमें अल्ट्रासोनिक इन-स्क्रीन फिंगरप्रिंट स्कैनर जैसे सिक्योरिटी फीचर्स होंगे। प्रोसेसर के तौर पर इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट होगा, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस सुनिश्चित करेगा। स्मार्टफोन में एलपीडीडीआर5एक्स रैम और यूएफएस 4.1 स्टोरेज का सपोर्ट मिलेगा, जिससे डाटा ट्रांसफर और मल्टीटास्किंग बहुत तेज होगी। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल ट्रिपल कैमरा होगा, जिसमें एलईडी फ्लैश और एक टेलिफोटो लेंस भी शामिल होगा। बैटरी के मामले में यह फोन 6000एमएएच या उससे बड़ी बैटरी के साथ आएगा, जो 90वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा।

इलेक्ट्रिक कार ईवी 3 को मिला 2025 वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर का खिताब

नई दिल्ली। कारों का निर्माण करने वाली कंपनी किआ की इलेक्ट्रिक कार ईवी3 को 2025 वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर का खिताब दिया गया है। अब तक कंपनी के लिए छठी बार यह पुरस्कार हासिल करने का मौका है। इस बार, किआ ईवी3 ने बीएमडब्ल्यू एक्स3 और हयूदै इंसटेर/कैस्पर इलेक्ट्रिक जैसी प्रमुख गाड़ियों को हराकर यह खिताब जीता। यह फैसला 30 देशों के 96 अंतरराष्ट्रीय ऑटो जर्नलिस्ट्स की निर्णायक मंडली ने लिया। किआ ईवी3 को किआ के ई-जीएमपी मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है और यह कंपनी के इलेक्ट्रिक लाइनअप में ईवी9, ईवी6 और ईवी5 के नीचे आती है। इसमें विभिन्न बैटरी पैक ऑप्शन दिए गए हैं, और किआ के मुताबिक, एक बार चार्ज करने पर यह कार 605 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है। किआ की वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स में अब तक की उपलब्धियां भी काफ़ी सराहनीय रही हैं। 2024 में किआ ईवी9 को वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर और वर्ल्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल का खिताब मिला, जबकि 2023 में किआ ईवी6 जीटी को वर्ल्ड परफॉर्मेंस कार का सम्मान मिला था। किआ के प्रेसिडेंट और सीईओ हो सुंग सॉन्ग ने कहा, ईवी3 को यह सम्मान किआ परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह अवॉर्ड हमारी डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी में अग्रणी होने का प्रमाण है और ईवी3 के ज़रिए हम अपने ग्राहकों को बेहतर और सस्टेनेबल मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्रदान कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुपर जाइंट्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला लखनऊ सुपर जाइंट्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी हालांकि सुपर जाइंट्स को उसके घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। दोनो ही टीमों के 10-10 अंक हैं पर बेहतर औसत के कारण दिल्ली दूसरे और सुपर जाइंट्स पांचवे स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनो ही टीमों के कप्तान इस मैच से अपनी लय हासिल करने उतरेंगे। सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला खामोश है जो लखनऊ के लिए परेशानी का कारण है। उन्होंने अभी तक 8 मैच में केवल 106 रन बनाए हैं जिसमें 63 रन की एक पारी भी शामिल है। उनका स्ट्राइक रेट 98 है जो चिंता का विषय है। वहीं दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल भी अभी तक उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। बल्लेबाजी में उन्होंने 159 के स्ट्राइक रेट से 140 रन बनाए हैं लेकिन उनकी गेंदबाजी प्रभावहीन रही है। वह अभी तक सात मैच में केवल एक विकेट ले पाए हैं और उनका इकोनॉमी रेट 9.36 है।

इस मैच में जीत के लिए दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। अब तक दिल्ली के सलामी बल्लेबाज इस सत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। अब उसके बल्लेबाजों फाफ डु प्लेसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल को रन बनाने होंगे। करुण नायर का प्रदर्शन हालांकि अब तक अच्छा रहा है। मध्यक्रम में केएल राहुल का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है जिसे वह बनाये रखना चाहेंगे। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, आवेश खान और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज है जिनका सामना करना सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा।

आवेश ने पिछले मैच में लखनऊ को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत दिलायी थी। उसी प्रदर्शन को अब वह दोहराना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम के पास मिशेल मार्श, निकोलस पूरन और एडेन माक्ररम जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर सकते हैं।

इसके अलावा कैपिटल्स के पास मिशेल स्टार्क जैसा तेजी गेंदबाज व कुलदीप यादव जैसा स्पिनर है। विपराज निगम और मुकेश कुमार ने भी इनका अच्छा साथ दिया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन माक्ररम, मिशेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हैंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, मयंक कुलकर्णी, अर्शीन यादव।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिशेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकांडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुशमंथा चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल, माधव तिवारी।

बीसीसीआई ने सालाना केन्दीय अनुबंध घोषित किये, श्रेयस और ईशान की वापसी

-कई नये खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल 2024-25 के लिए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। इसमें 34 खिलाड़ियों को रखा गया है। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की वापसी हुई है जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को प्रमोट किया गया है। अय्यर और ईशान को पिछले साल केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद श्रेयस ने काफी अच्छा प्रदर्शन कर टीम में वापसी की जिससे बाद से ही उन्हें अनुबंध मिलना तय माना जा रहा था। वहीं ईशान की अब तक टीम इंडिया में वापसी नहीं हुई है और घरेलू स्तर पर भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है, ऐसे में उनको अनुबंध मिलना हैरानी की बात है।

बीसीसीआई के अनुसार टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा सबसे ऊपर ए प्लस ग्रेड में बने रहेंगे। श्रेयस को ग्रेड बी और ईशान को ग्रेड सी में रखा गया है। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को को लाभ हुआ है और वह बी से ग्रेड ए में प्रोमोट हुए हैं। ऋषभ ने वापसी के बाद काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भी उन्होंने प्रभावित किया था। इसके अलावा वरुण चक्रवर्ती, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसे नए खिलाड़ियों को भी अनुबंध में शामिल किया गया है।

ग्रेड ए प्लस : रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा

ग्रेड ए : मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत

ग्रेड बी : सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर

ग्रेड सी : रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसीद कृष्ण, रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, नितीश कुमार रेड्डी। इशान किशन, अभिषेक शर्मा, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा

वेतन -ग्रेड ए प्लस में 7 करोड़ रुपए जबकि ग्रेड ए में 5 करोड़ रुपए और ग्रेड बी में 3 करोड़ रुपए व ग्रेड सी में एक करोड़ रुपए दिये जाते हैं।

रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचने अब जीतने होंगे छह मैच

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्य की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसे 8 मैचों में से 6 में हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम अंकतालिका में आठवें स्थान पर खिसक गयी है और उसके प्लेऑफ्स में पहुंचने की राह बेहद कठिन हो गयी है। इसके बाद भी अभी रॉयल्स के लिए प्लऑफ के रास्ते बंद नहीं हुए हैं हालांकि एक और हार से वह जरुर बाहर हो सकती है।

रॉयल्स के अभी केवल चार अंक हैं पर उसका नेट रन रेट अच्छा है। इसी कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स से आगे बनी हुई है। इन दोनो टीमों के भी 4-4 अंक हैं। सनराइजर्स और सीएसके ने अभी तक 7-7 मैच खेले हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने 8 मैच खेले हैं। राजस्थान का अब अगर प्लेऑफ में पहुंचना है तो उसे बाकि बचे हुए छह मैच जीतने होंगे। इसके बाद टीम के 16 अंक हो जाएंगे। अभी तक के आईपीएल इतिहास को देखें तो 16 अंक हासिल करने के बाद टीम को ऑफ में जगह मिलना तय हो जाता है। वहीं अगर वह केवल पांच मैच जीतती है तो उसके 14 अंक होंगे और ऐसे में उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहन होगा।

कोहली ने इसे बताया प्लेयर ऑफ द मैच का हकदार, उसने आज अंतर पैदा किया

स्पोर्ट्स डेस्क। पंजाब किंग्स के खिलाफ रविवार को खेले गए आईपीएल 2025 के 37वें मैच में शानदार पारी के विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। हालांकि कोहली ने इस अवॉर्ड का हकदार देवदत्त पड्डिकल को बताते हुए कहा कि देव ने आज अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि उन्होंने इसे मुझे क्यों दिया है। कोहली ने पंजाब के खिलाफ 54 गेंदों पर 7 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 73 रन की पारी खेली जबकि पड्डिकल ने 35 गेंदों पर 61 रन बनाए थे जिसमें 5 चौके और 4 छक्के शामिल थे।

कृणाल पांड्या और सुयश शर्मा की उम्दा गेंदबाजी के बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हरा दिया। पंजाब के 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए RCB ने विराट कोहली (नाबाद 73 रन, 54 गेंद, सात चौके, एक छक्का) और देवदत्त पडिक्कल (61 रन, 35 गेंद, चार छक्के, पांच चौके) के बीच दूसरे विकेट की 103 रन की साझेदारी से सात गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 159 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इस जीत के साथ RCB की टीम पंजाब किंग्स सहित उन पांच टीम में शामिल हो गई जिन्होंने अब तक सर्वाधिक 10 अंक जुटाए हैं।

विराट कोहली ने प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिलने के बाद कहा, 'हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण खेल है। 2 अंक क्वालीफिकेशन के मामले में बहुत बड़ा अंतर ला सकते हैं। हमने घर से बाहर कुछ बेहतरीन क्रिकेट खेली है। जब आप 8 से 10 (अंक) पर जाते हैं, तो यह अंक तालिका में बहुत बड़ा अंतर लाता है। मानसिकता हर खेल में 2 अंक प्राप्त करने की होनी चाहिए। मैं और तेजी लाना चाहता था।'

कोहली ने पड्डिकल को प्लेयर ऑफ द मैच का हकदार बताते हुए कहा, 'मुझे लगा कि देव ने आज अंतर पैदा किया, यह पुरस्कार उन्हें जाना चाहिए, मुझे नहीं पता कि उन्होंने इसे मुझे क्यों दिया है। मैं वहीं रहने की कोशिश करता हूं, एक छोर संभाले रखता हूं और बाद में तेजी लाने की कोशिश करता हूं। हमेशा एक ही तरह से चलते रहने का प्रलोभन होता है। पिछला मैच छोटा था, इसलिए हमें (PBKS के खिलाफ) कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हमें राजस्थान में पिच का विश्लेषण करना था। रन चेज के दौरान टी20 क्रिकेट में एक साझेदारी काफी अच्छी होती है। मैं तेजी ला सकता हूं, लेकिन मैं अन्य खिलाड़ियों की ताकत को समझना चाहता हूं। फिलहाल एक छोर संभाले रखना, यह हमारे लिए काम कर रहा है।'

उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए बहुत अच्छी नीलामी थी, हमें एक अच्छी टीम मिली। नीलामी के बाद ये खिलाड़ी संयमित थे। डेविड, जितेश, पाटीदार जैसे खिलाड़ी, वे जो भूमिका निभा रहे हैं, वह अच्छी तरह से सामने आ रही है। इसके अलावा रोमारियो आज हमारे लिए आ रहे हैं। लिविंगस्टोन भी हैं। पिछले सीजन में इसकी कमी थी। खिलाड़ी जवाबी हमले कर सकते हैं, खिलाड़ी भूखे हैं। आप मैदान पर उनकी तीव्रता देख सकते हैं, क्योंकि वे इधर-उधर गोते लगा रहे हैं। यह देखना वाकई सुखद है। जब आप इस तरह खेलते हैं, तो आपके जीतने की संभावना बेहतर होती है।'

मुंबई इंडियंस ने रोहित को आक्रामक बल्लेबाजी करने के लिए प्रोत्साहित किया : जयवर्धने

मुंबई - रोहित शर्मा की आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने के कारण अपना विकेट गंवाने के लिए भले ही आलोचना होती रही हो लेकिन मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि उनकी टीम ने इस पूर्व कप्तान को अपना इस तरह का रवैया बरकरार रखने के लिए प्रोत्साहित किया। रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 76 रन की मैच विजेता पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की। जयवर्धने ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, 'जब वह इस तरह से आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं तो हम सभी जानते हैं कि वह पल भर में मैच का पासा पलट सकते हैं। इससे लय बन जाती है जिसका असर बाद के बल्लेबाजों पर भी पड़ता है। इसलिए मैं उनके इस तरह के रवैए से बहुत खुश हूं।' उन्होंने कहा, 'रोहित ने कभी अपना रवैया नहीं बदला। पहले मैच से ही उनके इरादे स्पष्ट थे भले ही वह असफल हो रहे थे। इसलिए यह हमारे लिए अच्छा है कि वह टीम की जरूरत के अनुसार खेलने की कोशिश कर रहे थे और वह ऐसा करना चाहते थे। हमने ऐसा करने के लिए केवल उन्हें प्रोत्साहित किया।'

रोहित लय में रहें तो विरोधी होते हैं बेबस : पांड्या

मुम्बई । मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के बाद रोहित शुर्मा की जमकर प्रशंसा की है। हार्दिक ने कहा कि रोहित जब लय में आ जाते हैं तो उनके सामने कोई टिक नहीं पाता। इसलिए उनके फार्म को लेकर चिन्ता की जरुरत नहीं है। इस आईपीएल सत्र में रोहित ने अपना पहला अर्धशतक लगाया है। उन्होंने नाबाद 76 रन बनाये हैं। इससे पहले के मैचों में वह रन नहीं बना पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठे थे। पांड्या ने कहा कि उनका लक्ष्य आराम से खेलने के साथ ही अपनी रणनीति पर अमल करना रहा है। मुंबई इंडियंस ने रोहित और सूर्यकुमार यादव नाबाद 68 रनों की सहायता से लगातार तीसरी जीत हासिल की। दोने ने दूसरे विकेट के लिए 114 रन बनाये। पांड्या ने कहा, ' हमने जिस तरह से बड़ा लक्ष्य हासिल उससे टीम का मनोबल बढ़ा है। रोहित जब टिक जाते तो विरोधी गेम से बाहर हो जाते हैं क्योंकि वह एक मैच विजेता खिलाड़ी है। मैच में हर खिलाड़ी अपना योगदान दे रहा है। हम केवल सरल क्रिकेट और अपनी रणनीति को अमल में लाने का प्रयास कर रहे हैं। ' वहीं सीएसके की कप्तानी कर रहे महेंद्र सिंह धोनी ने कहा, 'हम अच्छा स्कोर नहीं बना पाये जबकि हमें पता था कि बाद में ओस पड़ेगी। हमें शुरुआत में ही आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिये था क्योंकि बाद के ओवरों में बुमराह गेंदबाजी करते हैं।' उन्होंने कहा, '175 का स्कोर काफी कम था और पहले छह ओवर में ज़्यादा रन देने के बाद वापसी करना कठिन होता है। हमें यह सोचना है कि हम कहां गलती कर रहे हैं जबकि आगे बढ़ने हमें हर मैच जीतना है पर हम हर मैच को एक मैच के तौर पर लेंगे।'

अब हम अगले साल के लिए टीम तैयार करने पर ध्यान देंगे, मुंबई इंडियंस से हार पर बोले फ्लेमिंग

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि उनकी टीम इस साल के इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी स्थिति को लेकर यथार्थवादी है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने जोड़ा कि पांच बार की चैंपियन अगले साल के लिए खिलाड़ियों को खोजने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। खराब फॉर्म से जूझ रही चेन्नई की टीम को 8 मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा, जब मुंबई इंडियंस ने रविवार को यहां उसे नौ विकेट से करारी शिकस्त दी, जिससे महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर बनी हुई है।

चेन्नई की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। मुंबई ने रोहित शर्मा (नाबाद 76) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 68) के अर्धशतकों की मदद से आसानी से लक्ष्य हासिल कर दिया। फ्लेमिंग ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, 'जब आप अपने स्तर से नीचे खेल रहे हों तो प्रतियोगिता में बने रहने के लिए उत्साहित होना मुश्किल होता है लेकिन हमें अपना हौसला बनाए रखना चाहिए।'

फ्लेमिंग ने कहा कि चेन्नई का थिंक-टैंक अपनी किस्मत बदलने के लिए अतीत के ऐसे अनुभवों से सीख लेगा। फ्लेमिंग के मन में 2023 में उनकी टीम द्वारा किए गए बदलाव होंगे जब उन्होंने 2022 में नौवें स्थान पर रहने के बाद खिताब जीता था। उन्होंने कहा, 'इस टूर्नामेंट के दौरान कुछ भी बर्बाद नहीं जाएगा। हम उन टूर्नामेंटों पर नजर डालेंगे जिनके परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे लेकिन हमने उनको टूर्नामेंट के आखिर में जो काम किए उस पर फिर से अमल करने से वह हमें अगले साल जीत के लिए तैयार करेगा।'

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'अभी हम जिस स्थिति में हैं उसको लेकर यथार्थवादी हैं, लेकिन अगले साल के लिए खिलाड़ियों, अगले साल के लिए संयोजन की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी और हम इसे एक अवसर के रूप में देखेंगे।' फ्लेमिंग ने आगे कहा, '(यह) कोई बड़ा अवसर नहीं है क्योंकि हम आखिर तक प्रतियोगिता में बने रहना चाहते हैं, लेकिन अगर ऐसा होता है कि हमारे (प्लेऑफ में) पहुंचने की कोई संभावना नहीं है, तो हम निश्चित रूप से इसका अधिक से अधिक फायदा उठाएंगे।'

विनेश लालची हो गयी मुझे गुरु का सम्मान नहीं दे रही : महावीर फोगाट

चरखी दादरी । कुश्ती से राजनीति में आई महिला पहलवान विनेश फोगाट पर उनके ही ताऊ और गुरु महावीर फोगाट ने अब सम्मान न करने का आरोप लगाया है। फोगाट ने कहा कि विनेश को पैसे का लालच आ गया है और अब वह उन्हें गुरु का सम्मान नहीं दे रही हैं। विनेश को हाल ही में राज्य सरकार ने चार करोड़ रुपये इनाम में दिये थे। विनेश को ये राशि पेरिस ओलंपिक में रजत पदक विजेता का दर्जा दिये जाने पर के लिए दी गयी है। महावीर के अनुसार उन्हें गुरु की पुरस्कार राशि और अवॉर्ड भी देना विनेश को याद नहीं रहा। महावीर फोगाट ने कहा कि इस हरियाणा सरकार ने विनेश के लिए जो किया है वह आज तक दुनिया में किसी ने किसी के लिए नहीं किया। सरकार ने , खेल नीति से अलग जाकर उसे मान-सम्मान दिया है। आम तौर पर एक स्वर्ण विजेताको भी इतना मान-सम्मान नहीं मिलता। इसके लिए राज्य सरकार की प्रशंसा करनी चाहिये। साथ ही कहा कि विनेश ने आज तक गुरु का सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा, खिलाड़ी को जा अवॉर्ड राशि मिलती है, उसमें गुरु का भी अधिकार होता है। गुरू की भी अवॉर्ड राशि होती है। अगर विनेश को पैसे का लालच नहीं आया होता तो उसने आज तक मुझे गुरु का जो सम्मान होता है, जो अवॉर्ड होता है, वह तक नहीं दिया। उसके लिए मैंने सारी मेहनत की उसके फॉर्म भरवाए। मैंने उसे ऊपर तक पहुंचाया, मैंने ही सारी मेहनत की, मेरे अलावा विनेश का दूसरा गुरू भी नहीं है। फिर भी उसने आज किसी प्रकार का मान सम्मान नहीं दिया।

आईपीएल में विश्व कप से ज्यादा दबाव, शुभमन गिल के लिए राशिद ने की बड़ी भविष्यवाणी

खेल डैस्क । गुजरात टाइटंस (जीटी) के स्टार स्पिनर राशिद खान ने आईपीएल 2025 में अपनी टीम की शानदार शुरुआत के बाद कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व गुणों की जमकर सराहना की। राशिद ने कहा कि शुभमन गिल का नेतृत्व भविष्य में बहुत चमकेगा। वह न केवल एक शानदार बल्लेबाज हैं, बल्कि उनकी सोच और खेल को समझने की क्षमता भी कमाल की है। वह हमेशा एक योजना के साथ मैदान पर उतरते हैं। उनकी शांतचित्त स्वभाव और टीम, गेंदबाजों व माहौल को संभालने का तरीका उन्हें एक महान नेता बनाता है।

राशिद ने कहा कि आईपीएल जैसे बड़े मंच पर कप्तानी करना आसान नहीं है। यहां का दबाव विश्व कप से भी ज्यादा है। शुभमन के लिए यह दबाव में प्रदर्शन करने और साहसिक फैसले लेने का शानदार अवसर है। राशिद ने इस दौरान गुजरात के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि जब से मैं इस फ्रेंचाइजी से जुड़ा हूं, कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों ने मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं पहले किसी दूसरी टीम के लिए खेला था। इस पारिवारिक माहौल ने मुझे खेल का और आनंद लेने में मदद की। इससे मेरा प्रदर्शन बेहतर हुआ और मुझे बल्लेबाजी में भी मौके मिले। उन्होंने जोड़ा, 'टीम में जिम्मेदारी और खुली चर्चा का माहौल बहुत जरूरी है, और जीटी में यह सब है। राशिद ने 2022 में हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में गुजरात टाइटंस की कप्तानी को अपने करियर का सबसे बड़ा क्षण बताया। उन्होंने कहा कि हार्दिक के अस्वस्थ होने पर जीटी की कप्तानी करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा था। इस अनुभव ने मुझे न केवल आईपीएल में, बल्कि अफगानिस्तान की कप्तानी करते समय भी बेहतर बनाया। मैंने अलग तरह से सोचना शुरू किया। राशिद ने बताया कि इस अनुभव ने उनकी मानसिकता को बदला और 2024 में अफगानिस्तान को टी20 विश्व कप सेमीफाइनल तक पहुंचाने में मदद की। उन्होंने कहा कि आईपीएल आपको अलग-अलग परिस्थितियों में परखता है, जो आपको एक बेहतर खिलाड़ी और नेता बनाता है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों में लगी है भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा से भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी कम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ''ताइकेमा ड्रैग फ्लिक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग फ्लिक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं।'' हरेंद्र ने कहा, ''ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे।'' हरेंद्र ने कहा कि दीपिका सहित इससे हमारी टीम की सभी खिलाड़ियों के कोशल में सुधार आया है। इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था। ताइकेमा ने 11 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में नीदरलैंड की पुरुष टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए। उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है।

खुद की क्षमता पर संदेह करना आसान है, लेकिन मैं ऐसा नहीं करता: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि लंबे समय तक खराब दौर से गुजरने के बावजूद उन्होंने अपनी क्षमता पर कभी संदेह नहीं किया तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लगाए गए अपने अर्धशतक को खुद के कौशल पर भरोसा दिखाने का परिणाम बताया।

मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोहित ने 45 गेंद पर नाबाद 76 रन बनाए जिसमें चार चौके और छह छक्के शामिल हैं। मुंबई इंडियंस ने उनकी इस शानदार पारी की मदद से यह मैच नौ विकेट से जीता। रोहित का आईपीएल के वर्तमान सत्र का यह पहला अर्धशतक है। इससे पहले वह पिछले मैचों में 0, 8, 13, 17, 18 और 26 रन ही बना पाए थे।

रोहित ने मैच के बाद कहा, 'लंबे समय तक रन नहीं बन पाने के बाद खुद की क्षमता पर संदेह करना और अलग तरीके अपनाना आसान होता है। मेरे लिए अच्छी तरह से अभ्यास करना और गेंद को अच्छी तरह से हिट करना महत्वपूर्ण था। जब आपकी मानसिकता स्पष्ट होती है तो फिर ऐसी चीजें हो सकती हैं।'

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान ने कहा कि अगर आप खुद की क्षमता पर संदेह करने लग जाते हो तो फिर दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, '(बड़ा स्कोर बनाए) लंबा समय हो गया था लेकिन अगर आप खुद पर संदेह करने लग जाते हो तो इससे खुद पर दबाव बनाते हो। आप किस तरह से खेलना चाहते हो उसके बीच संतुलन स्थापित करना महत्वपूर्ण होता है। आज मैं गेंद को हिट करना चाहता था लेकिन नियंत्रण में रहना भी महत्वपूर्ण होता है।'

रोहित ने कहा, 'अगर गेंद मेरी पहुंच में है तो मैं उस पर उसी तरह का शॉट लगाने का प्रयास कर रहा था जैसा मैं हमेशा करता हूं। ऐसा निरंतर नहीं हो रहा था लेकिन मैंने कभी खुद पर संदेह नहीं किया।' रोहित ने अपनी काफी क्रिकेट वानखेड़े स्टेडियम में खेली है जिसके एक स्टैंड को उनके सम्मान में तैयार किया जा रहा है। रोहित ने इस संदर्भ में कहा, 'यह बहुत बड़ा सम्मान है। जब मैं बच्चा था तो मैच देखने के लिए यहां आया करता था। किसी समय हमें यहां आने की इजाजत नहीं थी। मैं इस मैदान पर खेलते हुए बड़ा हुआ हूं, अब यह स्टैंड, बहुत बड़ा सम्मान है। मैं नहीं जानता कि जब यह तैयार होगा तो मेरी प्रतिक्रिया कैसी होगी।'

जिसमें मन को खुशी मिले वही काम करें

हर इंसान की पसंद, जरूरतें और प्राथमिकताएं दूसरे से अलग होती हैं। इसलिए दूसरों की बिन मांगी सलाह पर अमल करने के बजाय हमें वही करना चाहिए, जो खुद को सही लगे। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से जूलॉजी में एमएससी किया था। मैं बचपन से ही पढ़ाई में काफी अच्छी थी और मुझे टीचिंग का प्रोफेशन बहुत पसंद था। मैं करियर को लेकर ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं हूं और न ही मेरे मन में ज्यादा पैसे कमाने की लालसा है। मेरे पैरेंट्स चाहते थे कि मैं आगे रिसर्च करूं और साइंटिस्ट बनूं। इसलिए उनका मन रखने के लिए मैंने रिसर्च के लिए बीएचयू में अप्लाई कर दिया था और वहां से बुलावा भी आ गया था। इसी बीच बरेली के एक कॉलेज में भी मुझे जॉब मिल गई जिसे छोड़कर मैं बनारस नहीं जाना चाहती थी।
तब परिवार के अलावा दोस्तों और पास-पड़ोस के लोगों ने मुझे बहुत समझाया कि ऐसे मौके बार-बार नहीं मिलते और इन्हें खोना मूर्खता होगी। तुम्हें आगे रिसर्च करना चाहिए। इससे भविष्य और उज्जवल होगा। इसके लिए मुझे लोगों से कई तरह की बातें सुनने को मिलीं, पर मैं अपने फैसले पर अडिग रही। मेरा मानना है कि हमें वही कार्य करना चाहिए, जिससे हमारे मन को सच्ची खुशी मिले। अब मैं अपने कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हूं और मुझे अपने उस निर्णय पर जरा भी अफसोस नहीं है। मैं इस बात का पूरा यकीन करती हूं कि हर इंसान को अपने जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय खुद ही लेने चाहिए।

ध्यान नहीं दिया व्यर्थ की बातों पर

मैंने शास्त्रीय संगीत में विशारद की उपाधि हासिल की है, पर शादी के बाद घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई। मैं जॉब करना चाहती थी, लोगों के सामने स्टेज पर गाना चाहती थी, जब भी मैं अपनी यह इच्छा जाहिर करती तो मेरे मायके-ससुराल वाले साथ मिलकर मुझे समझाने लगते कि ये सब बेकार की बातें हैं, बाहर की दुनिया स्त्रियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर गाने का इतना ही शौक है तो घर पर ही रियाज कर लिया करो, लेकिन मैं अपनी पहचान बनाना चाहती थी। इसलिए मैंने लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। अपनी सारी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए शहर की कुछ सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर मैंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाना शुरू कर दिया। आज जब लोग मेरे गायन की प्रशंसा करते हैं तो इससे मुझे सच्ची आत्म-संतुष्टि मिलती है। इतना ही नहीं, अब परिवार के लोग भी मेरी इस कामयाबी पर गर्व करते हैं।

इन सात मंत्रों से रहा जा सकता है खुश

- अपनी सोच हमेशा सकारात्मक रखें। साथ ही प्रतिदिन अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। याद रखें, जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है, बस पूरी शक्ति के साथ प्रयास करने की जरूरत है। नकारात्मक सोच रखने से न केवल हमारा आत्मविश्वास कमजोर होता है, बल्कि हमारा स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।
- पुरानी यादों और बातों को भूलकर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें। याद रखें यदि आप सिर्फ पुरानी यादों और बातों के बारे में सोचती रहेंगी तो वर्तमान का सुख उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं, लेकिन जहां जाने पर आपका मन दुखी हो जाता हो, वहां बिल्कुल न जाएं।
- जब भी मौका मिले मनपसंद संगीत सुनें। कई शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि पसंदीदा संगीत तनाव के स्तर को काफी कम कर देता है।
- न किसी ने सही कहा कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में घंटों बीत जाते हैं। इसलिए स्वयं भी हंसें और दूसरों को भी हंसने का अवसर प्रदान करें।
- आप जो खाती हैं वही आपके चेहरे और शरीर से झलकता है। खानपान या रहन-सहन में थोड़ी-सी लापरवाही का असर सीधा आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए अपने खानपान पर पर्याप्त ध्यान दें। मौसमी सब्जियों और फलों का नियमित सेवन करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि आपका खानपान कलरफुल हो अर्थात आपके भोजन में हर रंग का समावेश होना चाहिए।
- विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित डाइट से आप हमेशा फिर रह सकती हैं। न चेहरे पर रौनक तभी आती है, जब आपके शरीर को पूर्ण विश्राम मिले। इसके लिए जरूरी है कि पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त नींद लेने से न केवल चेहरे पर चमक आती है, बल्कि स्वास्थ्य भी सही रहता है।

स्ट्रीट शॉपिंग में अच्छी बार्गेनिंग के लिए फॉलो करें ये स्मार्ट ट्रिक्स

स्ट्रीट शॉपिंग में सही बार्गेनिंग करने के लिए आप कुछ आसान ट्रिक्स को फॉलो कर सकती हैं और अच्छे सामान सही दामों में खरीद भी सकती हैं।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट हो या फिर मुंबई की लिंकिंग रोड मार्केट, भला किसे सस्ते दामों में अच्छे सामान की शॉपिंग करना अच्छा नहीं लगता है। यूं कहा जाए कि स्ट्रीट शॉपिंग कई लोगों की जरूरत नहीं बल्कि शौक होता है। दरअसल स्ट्रीट मार्केट ऐसे मार्केट होती है जिसमें कई तरह की अच्छी और ब्रांडेड चीजें भी सही दामों में मिल जाती हैं। जब भी स्ट्रीट शॉपिंग की बात आती है तब आप में से कई लोग दुकानदार के बताए दामों पर ही चीजें खरीद लेते होंगे और कई लोग दाम कम कराने के लिए अच्छी बार्गेनिंग भी करते होंगे।
इस तरह की मार्केट में कई बार दुकानदार किसी भी सामान के दाम मनचाहे ढंग से बताते हैं और अगर आपने ठीक तरह से बार्गेनिंग नहीं की तो वो आपको सस्ते दामों वाले सामान भी ज्यादा दामों पर बेच सकते हैं। इसलिए स्ट्रीट शॉपिंग में आपको अच्छी बार्गेनिंग की जरूरत होती है जिससे आप सही सामन उचित दामों में खरीद सकें। अगर आपको बार्गेनिंग नहीं आती है तो आप कुछ स्मार्ट ट्रिक्स से स्ट्रीट शॉपिंग में बार्गेनिंग कर सकते हैं।

कई दुकानों और स्टालों की जांच करें

आप चाहे दिल्ली की सरोजिनी नगर में स्ट्रीट शॉपिंग कर रही हों या गोवा की फ्ली मार्केट में सामान खरीद रही हों, सबसे पहले आपको किसी एक सामान के लिए कई अलग -अलग स्टालों की जांच करनी चाहिए। ऐसा करके आप देखेंगे कि अधिकांश दुकानों और स्टालों में एक ही तरह के कपड़े और सामान हो सकते हैं। कई बार किसी कपड़े का पैटर्न, प्रिंट, कलर सब लगभग एक जैसा ही होता है लेकिन उनके दाम अलग होते हैं ऐसे में अगर आपको कोई ऐसी चीज मिलती है जो आपको पसंद है, तो कई दुकानों से उसके दाम पता करें। इससे आपको यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि क्या कोई दुकानदार कीमत को ज्यादा बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। सामान्य तौर पर मार्केट की छोटी दुकानों की तुलना में सड़क के किनारे के स्टालों की दरें हमेशा सस्ती होंगी आप सही कीमत के हिसाब से बार्गेनिंग करके शॉपिंग करें।

थोड़ा झूठ भी है जरूरी

स्ट्रीट शॉपिंग के समय आपके लिए थोड़ा झूठ बोलना भी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको गंभीरता से ले, तो आपको यह दिखाना होगा कि आप अलग-अलग जगह और कीमतों से परिचित हैं। आप स्ट्रीट शॉपिंग दुकानदार से यह कह सकते हैं कि आप उस खास जगह और बाजारों में अच्छी तरह से खरीदारी करते हैं और आप हर एक सामान के सही दामों से परिचित हैं। ये स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक आपको सस्ते दामों में अच्छी चीजें दिला सकती है।

अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें

कई बार आपको स्ट्रीट शॉपिंग में कोई ऐसा सामान मिल जाता है जो आपकी पसंद का होता है और आप उसे बहुत दिनों से ढूढ़ रहे होते हैं। ऐसे में उस सामान को देखकर ज्यादा एक्साइटेड होने की बजाय अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें। कभी भी दुकानदार के सामने ये न जटाएं कि आपको किसी सामान की बहुत ज्यादा जरूरत है। अगर दुकानदार आपकी जरूरत को समझ जाता है तो वो बढ़ चढ़ कर दाम बताता है। इसलिए आपका न्यूट्रल रिएक्शन बार्गेनिंग में मदद कर सकता है।

दुकानदार की कीमत का आधा दाम बताएं

कुछ मामलों में यह बेतुका लग सकता है, लेकिन हमेशा जब भी आओ स्ट्रीट शॉपिंग कर रहे हों तब आप दुकानदार द्वारा बताए दाम का लगभग 50-60% कम करने से आप उस कीमत के करीब पहुंच जाते हैं, जो वास्तव में उस सामान की कीमत है। दरअसल स्ट्रीट शॉपिंग में दुकानदार अपनी इच्छा से दाम बढ़ा देते हैं जो बार्गेनिंग से कम किये जा सकते हैं।

चीजों में ढूढें डिफेक्ट

जब आप स्ट्रीट शॉपिंग के लिए जाएं तो किसी भी सामान में कोई ऐसा डिफेक्ट ढूंढने की कोशिश करें जो वास्तव में डिफेक्ट न होकर उस कपड़े का डिजाइन या कलर ही हो। लेकिन आप डिफेक्ट के नाम पर अच्छी बार्गेनिंग करके स्ट्रीट शॉपिंग (भारत के इन राज्यों में उठाएं स्ट्रीट मार्केट का मजा) में चीजों के दाम कम करा सकती हैं। स्ट्रीट मार्केट में मिलने वाले बहुत से कपड़े वास्तव में ऐसे होते हैं जो होल सेल से आते हैं और इसमें कोई बहुत छोटा सा डिफेक्ट भी हो सकता है जैसे बटन का ढीला होना या किसी जगह की सिलाई खुलना। सामान सेलेक्ट करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप उसके हर इंच को स्कैन कर लें। यदि डिफेक्ट ज्यादा बड़ा नहीं है तो आप इसके दाम कम करा सकते हैं। वास्तव में यह एक स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक है।

मेहंदी का रंग चढ़ेगा गहरा जानिए आसान तरीके

महिलाएं 16 श्रंगार करती है, सजती – संवरती है। उन्हीं में से मेहंदी भी श्रंगार का ही हिस्सा है। इसके बिना तीज त्योहार या किसी भी प्रकार का पर्व पूरा नहीं होता है। लेकिन बदलते दौर में मेहंदी के रंग भी फीके पड़ने लगे हैं। कुछ नुस्खें है जिन्हें फॉलो कर आप अपनी मेहंदी का रंग गहरा कर सकती हो। तो आइए जानते हैं 5 आसान से टिप्स –

- मेहंदी को घोलते समय उसमे में सादा पानी नहीं मिलाते हुए चाय की पत्ती का पानी डालें। इसे बनाने के लिए तपेली में एक कप पानी रखें,उसमे पत्ती डाल दें। पानी को थोड़ी देर उबाल लें और ठंडा होने के बाद उससे मेहंदी घोल लें।
- मेहंदी घोलने से पहले मेहंदी में ही तेल डाल दें। इससे मेहंदी का कलर एक जैसा आता है। वहीं मेहंदी हल्की सी सुख जाने के बाद एक कटोरी में पानी लेकर उसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद रूई की मदद से मेहंदी पर लगाएं। कलर अच्छा आएगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप रूई की मदद से अचार का तेल भी लगा सकते हैं। इससे मेहंदी का कलर खूब जमेगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप इसे हटा देते हैं, और लेकिन पानी से हाथ नहीं धोएं। इसके पहले थोड़ी देर के लिए घरेलू बाम का इस्तेमाल करें। अपने हाथों पर हल्के हाथों से लगा लें। ध्यान रहे उंगलियों के पोरस पर नहीं लगाएं। ताकि गलती से आंख में नहीं लग जाएं।
- मेहंदी सूखने के बाद रूई की मदद से हल्के हाथों से मेहंदी का तेल लगा लें। इसके बाद करीब 3 घंटे तक हाथों पर पानी नहीं लगाएं। फिर देखिए कितना गहरा रंग आता है।

कैसा होना चाहिए बच्चे का पूरे हफ्ते का डाइट चार्ट

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को अच्छी डाइट की जरूरत होती है। अगर आप बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं, तो इससे उसके विकास में काफी मदद मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि ढाई साल के बच्चे का हफ्तेभर का डाइट चार्ट कैसा होना चाहिए।

सोमवार का भोजन चार्ट

ढाई साल के बच्चे को सुबह 7 से 8 बजे एक कप दूध में ड्राई फ्रूट्स के साथ एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में 8.30 से 9.30 बजे के बीच बच्चे को नारियल की चटनी के साथ एक डोसा खिलाएं। इसके कुछ देर बाद 11 से 11.30 बजे बच्चे को चुकंदर और गाजर का एक कप सूप पिलाएं। 1 से 2 बजे के बीच बच्चे का लंच करवाना है जिसमें उसे आधा कप हरी मटर के चावल और आधा कप चिकन करी खिलानी है। वेजिटेरियन हैं तो आधा कप चावल, आधा कप सहजन की दाल में एक चम्मच घी डालकर और आधा कप दही दें। शाम को 4.30 से 5.30 बजे बच्चे को पनीर सैंडविच दें और फिर रात को 7.30 से 8.15 बजे डिनर में एक मटर का परांठा और आधा कप दही खिलाएं।

मंगलवार की डाइट

सुबह बच्चे को एक कप दूध में बादाम और एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। नाश्ते में बच्चे को सेरेलेक खिला सकती हैं। इसके थोड़ी देर बाद एक वेज रोज और आधा कप तरबूज खिलाना है। लंच में आधा कप वेज पुलाव और आधा कप रायता खिलाएं। शाम को एक कप मैंगो जूस पिलाएं। अब डिनर में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप चुकंदर की सब्जी दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बुधवार का खाना

25 साल के बच्चे को सुबह ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक इडली और दो चम्मच नारियल की चटनी खिलाएं। कुछ देर बाद एक कप संतरे का जूस पिलाना है। लंच में आधा कप चावल, आधा कप दाल पालक, एक चम्मच घी और आधा कप दही खिलानी है। इसके थोड़ी देर बाद एक रागी का लड्डू और एक केला खिलाएं। डिनर में बच्चे को आधा कप वेजिटेबल खिचड़ी के साथ आधा कप दही दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बृहस्पतिवार का भोजन चार्ट

सुबह उठने के बाद बच्चे को एक कप केले के मिल्क शेक में एक चम्मच शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। कुछ देर बाद बच्चे को आधा कप मिक्स वेज सूप और आधा कप अनानास खिलाना है। दोपहर को लंच में आधा कप मिक्स वेजिटेबल राइस और आधा कप दाल फ्राई खिलाएं। लंच के बाद एक बेसन का लड्डू और आधा कप खरबूजा खिलाएं। डिनर में आधा कप वेज नूडल्स दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शुक्रवार का डाइट चार्ट

शुक्रवार को सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक कप पोहा खिलाएं। फिर थोड़ी देर बाद एक संतरा देना है। बच्चे को लंच में आधा कप चावल, आधा कप लौकी की दाल और एक चम्मच घी डालकर खिलाएं। शाम को एक वेज कटलेट के साथ आधा कप लस्सी पिलाएं। रात को डिनर में एक परांठा और आधा कप दाल फ्राई में एक चम्मच घी डालकर परोसें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शनिवार का खाना कैसा रखें

सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। थोड़ी देर बाद एक कप पपीता और 4 से 5 खजूर खिलाएं। लंच में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप गाजर और आलू की सब्जी दें। शाम को एक कप गाजर का सूप पिलाएं। रात को डिनर में आधा कप वेजिटेबल पास्ता खिलाएं। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सऊदी अरब ने बढ़ाया हज का कोटा, भारतीय करें जल्द आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सभी धर्मों के कुछ पवित्र धार्मिक स्थल होते हैं। इस्लाम में हज यात्रा को सबसे पवित्र और अहम माना गया है। हर साल दुनिया भर से लाखों लोग हज यात्रा करते हैं। भारत से भी हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु हज यात्रा पर जाते हैं। आँकड़ों के अनुसार हर साल करीब 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु हज यात्रा पर जाते हैं। जिसमें से 1.7 लाख से ज्यादा भारत से होते हैं। बीते साल 1,75,025 भारतीय श्रद्धालुओं ने हज यात्रा की थी। लेकिन इस साल भारत के हज यात्रियों के लिए सऊदी अरब सरकार ने कोटा बढ़ा दिया है। भारत से हर साल 175,000 हज यात्रा के लिए सऊदी अरब जाते हैं। जिसमें से 1,22,518 हज यात्रियों भारतीय हज समिति के जरिए हज यात्रा पर भेजा जाता है। इसके अलावा बचे हुए 52,000 हज यात्री प्राइवेट टूर ऑपरेटरों के जरिए हज यात्रा पर जाते हैं। लेकिन इस साल सऊदी हज मंत्रालय की ओर से संख्या में इजाफा किया गया। इस साल भारत से 175,000 हज यात्रियों की जगह 185,000 हज यात्री जा सकते हैं। क्योंकि सऊदी हज मंत्रालय की ओर से 10,000 अतिरिक्त तीर्थयात्रियों के रजिस्ट्रेशन को लेकर हामी भर दी है। भारत से हर साल हज यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन हज कमेटी ऑफ इंडिया के जरिए होता है। यह प्रक्रिया अब ऑनलाइन कर दी गई है। रजिस्ट्रेशन के लिए आपको हज कमेटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट से आवेदन करना होगा। इसके अलावा आप हज सुविधा मोबाइल एप का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

आज से जम्मू-कश्मीर को राज्य के दर्जे की बहाली की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

- जिले और विधानसभा क्षेत्रों में होगा विरोध प्रदर्शन

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस पूरे जम्मू-कश्मीर में प्रत्येक जिले और विधानसभा क्षेत्रों तथा ब्लॉकों में राज्य के दर्जे की बहाली को लेकर आंदोलन तेज कर संविधान बचाओ अभियान शुरू करेगी। इसके साथ ही पार्टी बीजेपी सरकार की भ्रामक रणनीति को भी जनता के सामने लाएगी। जेकेपीसीसी प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने संविधान को बचाने और राज्य का दर्जा बहाल करने के आंदोलन को तेज करने केंद्र शासित प्रदेश, प्रांतीय, जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में अभियान चलाने एआईसीसी (एसआईसीसी) के निर्देशों को लागू करने का कार्यक्रम तैयार है। जेकेपीसीसी कर्रा की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की बैठक हुई, इसमें 22 अप्रैल को जम्मू में सभी जिलों और ब्लॉकों के वरिष्ठ नेताओं की विस्तारित बैठक के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया। बैठक के बाद 29 अप्रैल को जम्मू में केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संविधान पर हमले और उसकी प्रतिशोधात्मक राजनीति के खिलाफ प्रांत स्तरीय विरोध रैली का आयोजन होगा। कांग्रेस पार्टी रोजगार के मोर्चे, महंगाई, कराधान के अलावा मोदी सरकार की विभाजनकारी और सांप्रदायिक तथा प्रतिशोधात्मक राजनीति के बारे में जनता को बताएगी। बैठक में बताया गया कि डेढ़ माह तक चलने वाले कार्यक्रम में राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर बीजेपी के विश्वासघात और लोगों की पीड़ा को पूरा करने के लिए निर्वाचित सरकार को अधिकार न देने का खुलासा होगा।

रिश्तेदार के नाम कर दी प्रापर्टी, नाराज पत्नी ने पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की चाकू से गोंदकर हत्या की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की मौत मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वे 20 अप्रैल को बेंगलुरु में अपने घर में मृत मिल थे। सूत्रों के मुताबिक दोपहर में उनका अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान उनकी पत्नी ने उन पर मिर्च पाउडर फेंका, उन्हें बांधकर चाकू से हमला करके पूर्व डीजीपी की हत्या कर दी। 68 साल के ओम प्रकाश पर कांच की बोतल से भी हमला हुआ था। हत्या के बाद पूर्व डीजीपी की पत्नी ने एक अन्य पुलिसकर्मी की पत्नी को फोन करके बताया कि अपने पति को मार डाला है। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूर्व डीजीपी की पत्नी और उनकी बेटी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मां और बेटी से करीब 12 घंटे तक पूछताछ की है। रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व पुलिस प्रमुख प्रकाश की चौंकाने वाली हत्या में उनकी पत्नी मुख्य आरोपी हैं। ओम प्रकाश के पेट और सीने पर चाकू के कई घाव मिले हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि प्रकाश और उनकी पत्नी के बीच जमीन-जायदाद को लेकर विवाद था। ओम प्रकाश ने वह संपत्ति अपने एक रिश्तेदार को दे दी थी, इसकारण दोनों के बीच झगड़ा हो गया। यह झगड़ा इतना बढ़ गया कि मारपीट शुरू हुई और शक है कि पत्नी ने ही उनकी हत्या कर दी। पुलिस जांच कर रही है कि क्या उनकी बेटी भी घटना में शामिल थी। पूर्व पुलिस प्रमुख प्रकाश के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

टेम्पो चालक ने तोड़ा नियम, ट्रैफिक कर्मी पीछा करते समय समुद्र में गिरा, मौत

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण मुंबई के कोस्टल रोड पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले एक टेम्पो का स्कूटर से पीछा करते समय एक ट्रैफिक कर्मी की समुद्र में गिर जाने से मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैफिक कर्मी का शव निकाल कर टेम्पो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम को टाटा गार्डन से वर्ली की ओर जा रहा टेम्पो यातायात नियमों का उल्लंघन कर कोस्टल रोड पर आ गया जहां भारी वाहन प्रतिबंधित हैं। इसके बाद ट्रैफिक कर्मी रफीक वजीर शेख ने स्कूटर से टेम्पो का पीछा किया लेकिन कोस्टल रोड के एक मोड़ पर रफीक शेख ने अपने दोपहिया वाहन से नियंत्रण खो दिया और रेत में उनका स्कूटर फिसल गया। स्कूटर सड़क पर सीमेंट की रेलिंग से टकरा गया और रफीक शेख समुद्र में गिर गए जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक वाहन चालक ने पुलिस को इसकी सूचना दी जिसके बाद सुरक्षा और अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और रफीक शेख को पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि रफीक को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

विदेशों में जाकर भारत को बदनाम करने वाले राहुल गांधी याद रखें वह जमानत पर हैं

बीजेपी ने बोस्टन में चुनाव आयोग पर की गई टिप्पणी को लेकर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने राहुल गांधी द्वारा बोस्टन में चुनाव आयोग पर की गई टिप्पणी को लेकर हमला बोला। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी की यही निराशा है कि आज वह विदेशी भूमि पर जाकर भारत और महान लोकतंत्र को अपमानित कर उसे बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुलजी अमेरिका में जाकर कहते हैं कि महाराष्ट्र के चुनाव में जो मतदान हुआ, वह एक प्रकार से फर्जीवाड़ा था। महाराष्ट्र में बीजेपी और उनके सहयोगियों को नहीं जीतना था, लेकिन मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि उस समय झारखंड में भी चुनाव हुआ था, क्या आपने और हेमंत सोरेन ने इलेक्शन कमीशन से समझौता किया था?

पात्रा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 240 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को केवल 99 सीटें मिलीं। फिर भी, उन्होंने जश्न मनाया और दावा किया कि यह बीजेपी की हार है। तो क्या चुनाव आयोग ने कांग्रेस से समझौता किया? अयोध्या चुनाव में भी उन्होंने जीत का जश्न मनाया। यह कैसे संभव हुआ? उन्होंने कहा कि यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होते हैं। विदेश में भारत का अपमान करने वाले राहुल गांधी को याद रखना चाहिए कि वे 50 हजार की जमानत पर बाहर हैं। जिस थाली में खाते हैं, उसी में राहुल गांधी छेद करते हैं।

उन्होंने कहा कि आज सुबह से हम मीडिया में देख रहे हैं, तो दो खबरें सुर्खियों में हैं। पहली खबर राहुल गांधी विदेशी भूमि पर जाकर वही कर रहे हैं, जो वह कई दशकों से करते आ रहे हैं, भारत की बेइज्जती और अपमान। अमेरिका में राहुल गांधी ने भारत का अपमान किया है। दूसरी खबर है कि आज से कांग्रेस के सभी बड़े नेता चोर मचाए शोर की तर्ज पर देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर मां-बेटे को बचाने के लिए प्रेस कांफ्रेंस करेंगे।

पात्रा ने कहा कि ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अपनी चार्जशीट में नामांकित किया है, उन दोनों के खिलाफ कोर्ट में जो कार्रवाई हो रही है, ऐसे में पूरे देश में एक अशांत माहौल बनाने का प्रयास कांग्रेस कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं राहुलजी से और देशवासियों से कहना चाहता हूं कि जो व्यक्ति और उनकी माताश्री 50 हजार के मुचलके पर जमानत पर बाहर हैं, वह विदेशी धरती पर जाकर हिंदुस्तान को अपमानित कर रहा है, लेकिन अगर उन्हें लगता है कि लोग उनपर विश्वास करेंगे, तो ये उनका भ्रम है। देश की चुनावी प्रक्रिया पर राहुल गांधी की आलोचनाओं का जवाब देते हुए बीजेपी के नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि लोकतंत्र विरोधी, भारत विरोधी राहुल गांधी जो भारतीय मतदाताओं का विश्वास नहीं जीत सके, वे

विदेशी धरती पर भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने लगे हैं। राहुल हमेशा विदेशी धरती पर भारत को बदनाम क्यों करते हैं जॉर्ज सोरोस का एजेंट जो भारतीय राज्य से लड़ रहा है। यही आज राहुल गांधी का इरादा है।

राजभर का ममता सरकार पर तंज, बंगाल को भी कानून को मानना पड़ेगा

-जिन्होंने इसकी जमीनों पर कब्जा किया, वे डरे हुए

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया से फिर पश्चिम बंगाल का मुद्दा उठा है। बंगाल में वक्फ संशोधन कानून को लेकर चल रहे विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि केंद्र का वक्फ कानून लागू हो चुका है। बंगाल को भी कानून को मानना पड़ेगा। यह कानून गरीब मुस्लिमों के हित में है। इससे वक्फ की जमीनों पर कब्जा करने वालों की मुश्किलें बढ़ेंगी। राजभर ने कहा कि वक्फ कानून से वहीं लोग घबरा रहे हैं, जिन्होंने इसकी जमीनों पर कब्जा किया है। मंत्री राजभर ने कहा कि नए कानून के तहत वक्फ से जुड़े विवाद के मामलों को न्यायालय में चुनौती दी जा सकेगी। पहले यह व्यवस्था नहीं थी। इतना ही नहीं योगी के मंत्री राजभर ने कहा कि नया कानून आने से वक्फ कमिटी में महिलाओं की भागेदारी होगी। यह कानून गरीब मुस्लिमों के भले के लिए है। उन्होंने बंगाल की स्थिति पर तंज कर कहा कि केंद्र का कानून सर्वोपरि है। इस कानून को लागू करना हर राज्य की जिम्मेदारी है। पश्चिम बंगाल कोई अलग नहीं है। ओपी राजभर ने कहा कि 246 योजनाओं का लाभ जनता को आसानी से मिल रहा है, इसमें पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, खसरा-खतौनी जैसे सेवाएं शामिल हैं। 60 प्रतिशत पंचायत सहायक प्रशिक्षित हो चुके हैं। गांवों में जल निकासी के लिए नालियों और सोख्तों का निर्माण तेजी से हो रहा है।

भाजपा ने साधा ममता पर निशाना और की मुर्शिदाबाद हिंसा की एनआईए जांच की मांग

कोलकाता (एजेंसी)। पिछले कई दिनों से पश्चिम बंगाल में हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की खबरें आ रहीं हैं। विपक्षी दल भाजपा इस मामले में ममता सरकार पर हमलावर है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश जैसी स्थिति ला रही हैं। राज्य में हिंदुओं की हत्या की जा रही है। लोगों को बांग्लादेश की स्थिति पता है। बनर्जी ने पहले ही पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश को लाइट वर्जन बना दिया है।

वहीं, राज्य में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद हिंसा की एनआईए जांच की मांग की। उन्होंने कहा हम अपनी संस्कृति और धर्म को जीवित रखने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदू खतरे में हैं। इस तरह की क्रूर हत्या के लिए राज्य पुलिस पूरी तरह जिम्मेदार है।उन्होंने हिंसा के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने के लिए समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की भी आलोचना की। अधिकारी ने कहा कि अखिलेश यादव का बयान राजनीति से प्रेरित है।

इधर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहटकर ने मालदा और मुर्शिदाबाद हिंसा पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मुलाकात की। राहतकर ने कहा कि मैंने राज्यपाल को महिलाओं और बच्चों की स्थिति के बारे में बताया है। स्थिति बहुत गंभीर है। रहटकर ने कहा- हम पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सभी प्रयास करेंगे और पश्चिम बंगाल सरकार को सिफारिशें करेंगे। हम उन महिलाओं और परिवारों के साथ खड़े होना चाहते हैं जो दर्द में हैं। शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। उन्होंने कहा कि आयोग अपनी रिपोर्ट में उन सभी महिलाओं के बयान शामिल कर रहा है, जिन्होंने आपबीती सुनाई है। उन लोगों ने कहा कि बीएसएफ ने उनकी जान बचाई। उनके घर बचाए।

क्या पीएम मोदी कमजोर हो चुके हैं उनकी पकड़ अब सरकार और पार्टी पर नहीं?

-बीजेपी सांसद निशिकांत के बयान को लेकर पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री से किया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणी पर विवाद थमा नहीं रहा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने निशिकांत के बयान को लेकर पीएम मोदी से सवाल किया है। उन्होंने कहा कि यह बिना पीएम की स्वीकृति के नहीं हो सकता है। पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम अपने आप को बहुत मजबूत मानते हैं और उनके इशारे के बिना बीजेपी का कोई सांसद इस तरह की टिप्पणी कर नहीं सकता है। अगर यह उनकी स्वीकृति के बगैर हुआ है तो पीएम मोदी बहुत कमजोर हो चुके हैं। न उनकी अब सरकार पर पकड़ है और न ही पार्टी पर।

पवन खेड़ा ने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि अगर पीएम मोदी की पार्टी पर अब भी पकड़ मजबूत है तो उन्हें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को बोलकर निशिकांत को कारण बताओ नोटिस जारी करवाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने संविधान पर सीधा हमला बोला है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, इससे पहले सभी ने देखा है कि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका पर टिप्पणी की। मैं पूछना चाहता हूं कि ये हमले कौन करा रहा है?

बता दें बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाता है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए उन्होंने सीजेआई पर भी टिप्पणी की थी। हालांकि, बीजेपी ने निशिकांत दुबे और पार्टी के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा की ओर से सुप्रीम कोर्ट और देश के मुख्य न्यायाधीश पर दिए गए बयान से किनारा कर लिया है। दोनों नेताओं ने वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के संदर्भ में न्यायपालिका पर सवाल उठाए थे।

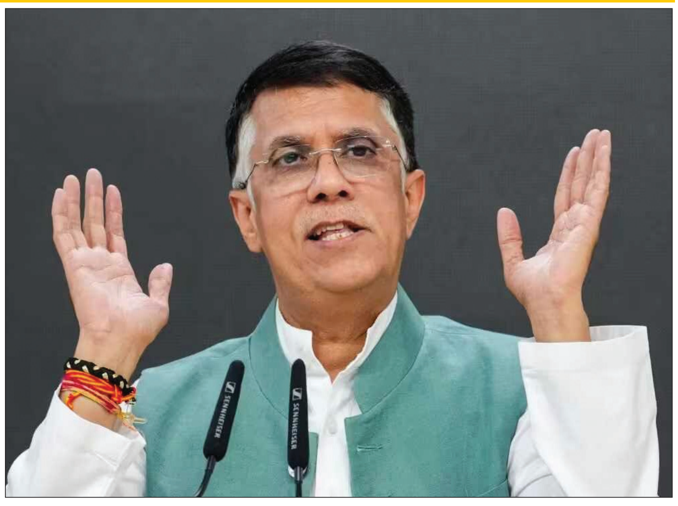

सोनिया, राहुल की प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए किया गया हमला, कांग्रेस लड़ेगी और विफल करेगी : चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को आरोप लगाया कि पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ईमानदारी तथा प्रतिष्ठा की धूमिल करने के मकसद से 'नेशनल हेराल्ड' मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया। पूर्व वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सोनिया और राहुल गांधी पर इस राजनीतिक हमले का कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी और इसे नाकाम करेगी। चिदंबरम ने संवाददाताओं से बातचीत में 'नेशनल हेराल्ड' मामले का ब्यौरा दिया और सवाल किया, ''अपराध कहां है? कहां हैं अपराध की कमाई? भ्रष्टाचार का पैसा कहां है? कहां है धनशोधन का अपराध?'' उन्होंने कहा, ''मैं समझता हूं कि पीएमएलए अदालत ने अभी तक ईडी की शिकायत (या आरोप पत्र) का संज्ञान नहीं लिया है।'' उन्होंने दावा किया कि बुनियादी बात यह है कि पैसे का कोई लेन-देन नहीं है। चिदंबरम का कहना था, ''पैसे के बिना 'अपराध की कमाई' नहीं होती, 'अपराध की आय' के बिना, कोई धनशोधन नहीं होता है। धनशोधन हुए बिना ईडी का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ईमानदारी और प्रतिष्ठा को निशाना बनाने के लिए सत्ता का खुला दुरुपयोग किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''इस मामले के तथ्यों से यह स्पष्ट है कि ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध की कार्रवाई कर रही है।'' चिदंबरम ने इस बात पर जोर दिया कि पूरी कांग्रेस पार्टी अपने नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर इस राजनीतिक हमले का विरोध करेगी, लड़ेगी तथा इसे नाकाम करेगी। उन्होंने कि इस मामले में सत्य की जीत होगी और न्याय होगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में कथित तौर पर 988 करोड़ रुपये के धनशोधन के लिए यहां एक विशेष अदालत में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।

आप नहीं लड़ेगी मेयर का चुनाव, अब दिल्ली में होगी ट्रिपल इंजन की सरकार

आप नेता सौरभ ने कहा- अब बीजेपी को बिना बहाना बनाए काम करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में आगामी महापौर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। चुनाव 25 अप्रैल को होना हैं और सोमवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी तारीख है। आप ने ऐलान किया है कि वह मेयर पद के लिए कोई उम्मीदवार नहीं खड़ा करेगी क्योंकि पार्टी के पास वर्तमान में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में पर्याप्त संख्या नहीं है, जहां बीजेपी बहुमत में है। इसके साथ ही बीजेपी दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार स्थापित करने के लिए तैयार है जिसका नियंत्रण केंद्र, दिल्ली प्रशासन और अब एमसीडी पर भी होगा।

आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमने फैसला किया है कि इस बार मेयर का चुनाव नहीं लड़ेंगे। बीजेपी को अपना मेयर चुनकर अपनी स्थायी समिति बनानी चाहिए और बिना किसी बहाने के दिल्ली पर शासन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस दिन से दिल्ली में एमसीडी चुनाव तय हुए हैं, तब से सत्ता हथियाने की बीजेपी की बेचैनी सबके सामने दिख रही है, चाहे वह चुनाव टालकर एकीकरण करना हो, या परिसीमन के नाम पर बीजेपी के लिए छोटे-छोटे वार्ड बनाना हो या फिर लगातार भ्रष्ट तरीकों का इस्तेमाल करके मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव जीतने की कोशिश करना हो। उन्होंने कहा कि अब बीजेपी के पास केंद्र है, उनके एलजी हैं, उनकी दिल्ली सरकार है, और एमसीडी भी उनके पास होगी, इसलिए अब उन्हें दिल्ली की जनता के सामने कोई बहाना नहीं बनाना चाहिए और उन्हें दिखाना चाहिए कि दिल्ली में पूरा प्रशासन कैसे चलाया जाता है। हार झेलने के बाद एमसीडी में बीजेपी की ताकत 119 हो गई है, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में कई आप विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। एमसीडी में मनोनीत सांसद और विधायक दोनों ही मेयर और डिप्टी मेयर के पदों के लिए होने वाले चुनावों में वोट देने के पात्र हैं। एमसीडी सचिव कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के मुताबिक निगम 25 अप्रैल को अपनी साधारण बैठक आयोजित करेगा। दोपहर 2 बजे मेयर और डिप्टी मेयर के लिए चुनाव कराया जाएगा।

हिमाचल में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि से फसल बर्बाद, किसानों को मुआवजे की आस

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल में मौसम ने कई जगह नुकसान पहुंचाया है। बीते 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि ने फसलों को बर्बाद किया है, हमीरपुर के भलेठ गांव में तूफान से पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एक महिला की मौत हुई। मृतक संतोष कुमारी जंगल से लकड़ियां लेने गई थी कि घर से कुछ दूरी पर पेड़ की चपेट में आ गई।

ऊपरी शिमला के सेब बहुल इलाकों रोहड़ू, खड़ापत्थर, ठियोग, जुब्बल, कोटखाई, रोहड़ू और चौपाल में भारी ओलावृष्टि ने सेब की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। आजकल सेब में फूल रहे है लेकिन ओलावृष्टि से फूल झड़ गए हैं। इसके अलावा सब्जियों की फसल भी बर्बाद हुई है।

वहीं सब्जी फूल उत्पादक संघ के अध्यक्ष ने मौसम से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि हर साल फसलों के नुकसान का आंकलन होता है, लेकिन मुआवजे के नाम पर कुछ नहीं मिलाता है। साथ ही, बीमा प्रक्रिया किसानों और बागवानों के हितों से खिलवाड़ करती है। जिला बिलासपुर व हमीरपुर में वर्षा के साथ हुई ओलावृष्टि से गेहूं की फसल व फलदार पौधों को नुकसान हुआ। कांगड़ा जिले में वर्षा से गेहूं की फसल प्रभावित हुई। लाहौल स्पीति सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी जारी है। हिमपात के कारण मनाली-जंस्कार मार्ग पर यातायात बंद है। शिंकुला में आधा फीट हिमपात होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। भारी वर्षा से लाहुल घाटी के तिंदी व जंगल कैंप के समीप नाले में बाढ़ आ गई। मौसम विभाग ने किसानों, बागवानों और यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और समय-समय पर अपडेट प्रदान कर रहा है।

अखिलेश का बड़ा दावा बोले- महाकुंभ में योगी को पीएम उम्मीदवार घोषित करने की योजना थी

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा करते हुए कहा है कि प्रयागराज का महाकुंभ कोई धार्मिक आयोजन नहीं था। बल्कि एक राजनैतिक आयोजन के लिए बड़ी तैयारियां की गई थी। सब कुछ ठीक रहता तो इसी महाकुंभ में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रधानमंत्री के तौर पर उम्मीदवार घोषित कर दिया जाता। इस तरह की प्लानिक काफी पहले कर ली गई थी।

अखिलेश ने यह भी दावा किया कि कुछ राजनैतिक कारणों के कारण भाजपा का यह मंसूबा पूरा नहीं हो पाया। पत्रकारों से चर्चा करते हुए यादव ने कहा कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है।यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे इंडिया गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, गठबंधन है और रहेगा। उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया। यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया।

राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा जो इतिहास एक दूसरे को ऊंचा-नीचा दिखाए, जो इतिहास हमारी प्रगति को रोकता हो, उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए।सपा प्रमुख ने संवाददाता सम्मेलन में प्रयागराज महाकुंभ 2025 को लेकर सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्वयं द्वारा दिए गए सुझावों को एक पुस्तिका के रूप में तब्दील कर पत्रकारों को उपलब्ध कराया। साथ ही उन्होंने 2013 में हुए प्रयागराज कुंभ मेले को लेकर हावर्ड विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन की रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई। अखिलेश यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने प्रयागराज आए थे।

सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए, और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही। उन्होंने कहा, भाजपा सच्चे आंकड़े छिपाने और झूठे आंकड़े दिखाने में माहिर है। भाजपा की पूरी सरकार प्रोपेगेंडा पर चल रही है। इस डिजिटल कुंभ में सरकार ने कोई भी डेटा कुछ ही सेकेंडों में उपलब्ध कराने की बात कही थी। ड्रोन से पूरी निगरानी के दावे किए गए थे।

यादव ने कहा, जिस समय (भगदड़ के समय) ड्रोन और सीसीटीवी की सबसे अधिक जरूरत थी, उस समय ये या तो बंद थे या बंद करा दिए गए थे। इन्होंने संगम नोज पर भगदड़ में मारे गए लोगों की सही संख्या नहीं बताई और मौत के कारण बदलने के लिए परिजनों पर दबाव बनाया।

संक्षिप्त समाचार

इजराइल के पास गाजा में युद्ध जारी रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है : नेतन्याहू

येरूशलम, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को फिर घोषणा की कि इजराइल के पास गाजा में युद्ध जारी रखने के अलावा ''कोई विकल्प नहीं'' है और वह हमास को पूरी तरह खत्म करने, बंधकों को मुक्त करने तथा यह सुनिश्चित करने से पहले युद्ध समाप्त नहीं करेगा कि यह क्षेत्र इजराइल के लिए खतरा नहीं बने। प्रधानमंत्री ने फिर से कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार न मिले। नेतन्याहू ने दावा किया कि हमास ने युद्ध विराम जारी रखने के लिए आधे बंधकों को रिहा करने के इजराइल के नवीनतम प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री ने गाजा में किए गए हमलों के बाद यह बात कही। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की ओर से गाजा में किए गए हमलों में 48 घंटे के दौरान 90 से अधिक लोग मारे गए हैं।

नेपाल में राजशाही समर्थकों ने संसद परिसर में घुसने का ऐलान किया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में राजशाही की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों ने आज दोपहर संसद परिसर में घुसने का ऐलान किया है। यह ऐलान राजशाही की समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने किया है। आरपीपी नेपाल में राजशाही की बहाली और अपने गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है। पार्टी ने 22 अप्रैल को नेपाल के सभी 77 जिलों में प्रदर्शनों का आयोजन करने की योजना भी बनाई है। राजधानी काठमांडू में राजशाही के समर्थन में 28 मार्च को हिंसक प्रदर्शन हुए थे। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने आरपीपी के दो नेताओं को गिरफ्तार किया था।

बांग्लादेशी संसद में सीटें बढ़ाकर 600 करने का प्रस्ताव

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में महिला मामलों के सुधार आयोग ने संसद में कुल सीटों की संख्या बढ़ाकर 600 करने की सिफारिश की है। आयोग ने प्रस्ताव दिया है कि प्रत्येक संसदी क्षेत्र के लिए एक सामान्य सीट और महिलाओं के लिए एक आरक्षित सीट होनी चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा संसद में 350 सीटें हैं, जिनमें 50 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले साल नवंबर में अंतरिम सरकार द्वारा गठित आयोग ने शनिवार को मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को अपनी रिपोर्ट सौंपी।15 सिफारिशों में से, पैनल ने संविधान, कानून और महिला अधिकारों पर तीन प्रमुख सिफारिशें की हैं, जिसमें समानता और सुरक्षा के आधार को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। पैनल ने महिलाओं के हितों और अधिकारों को स्थापित करने के लिए विकेंद्रीकरण और स्थानीय स्तर के विकास पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है।

ट्यूनीशियाई विपक्षी नेताओं को 66 साल तक की जेल

ट्युनिस, एजेंसी। ट्यूनीशिया की एक अदालत ने 40 लोगों पर राज्य की सुरक्षा के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कई विपक्षी नेताओं को 13 से 66 साल तक की जेल की सजा सुनाई है। ट्यूनीशियाई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कार्यकर्ताओं ने मामले को निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। मुकदमे में आरोपी लोगों में पूर्व राजनयिक, व्यापारिक नेता, पत्रकार, वकील और मानवाधिकार रक्षक शामिल हैं और कुछ ने दो साल से अधिक समय तक पूर्व-परीक्षण हिरासत में बिताया है। अन्य विदेश भाग गए हैं। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने सरकार के खिलाफ साजिश रची और एक आतंकवादी संगठन से जुड़े थे। इस बड़े और हाई-प्रोफाइल मामले के वकीलों ने ट्यूनीशियाई मीडिया को बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि 40 प्रतिवादियों में से कितने को जेल की सजा दी गई।

कोसोवो में 120 नए सांसदों ने ली शपथ, नहीं चुन सके संसद अध्यक्ष

प्रिस्तीना, एजेंसी। कोसोवो में शनिवार को 120 नए सांसदों ने शपथ ली, लेकिन जब संसद अध्यक्ष चुनने की बात आई, तो दो बार कोशिश के बावजूद कोई फैसला नहीं हो सका। इससे देश में राजनीतिक संकट पैदा हो सकता है। 9 फरवरी को हुए चुनाव में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी सीटें स्वीकार कर लीं। इससे संसद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनने का रास्ता साफ हुआ। कोसोवो के कार्यवाहक प्रधानमंत्री एल्बिन कुर्ती की वामपंथी पार्टी स्व-निर्धारण आंदोलन या वेटेवेंडोसजे ने चुनाव में 120 में से 48 सीटें जीतीं, जो बहुमत से 61 सीटें कम हैं। 2021 में इस पार्टी को 58 सीटें मिली थीं। स्पीकर के लिए वेटेवेंडोसजे के उम्मीदवार अल्बुलेना हेक्सिउ को लगातार दो मतों से हार का सामना करना पड़ा, उन्हें 57 वोट मिले, जो 120 सीटों वाली संसद में आवश्यक 61 वोटों से कम है। संसद सोमवार को बुलाई जानी है, लेकिन स्पीकर के बिना, सत्र की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं है। संविधान ने नए स्पीकर के चुनाव के लिए आवश्यक समय की अवधि निर्धारित नहीं की है। स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के चुने जाने के बाद, कुर्ती को औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया जाएगा। कैबिनेट बनाने के लिए उन्हें 61 वोट प्राप्त करने होंगे।

चीन में रोबोट्स ने 21 किलोमीटर तक इंसानों से रेस लगाई-सबसे तेज दौड़ा रोबोट भी 1.30 घंटा पीछे रहा

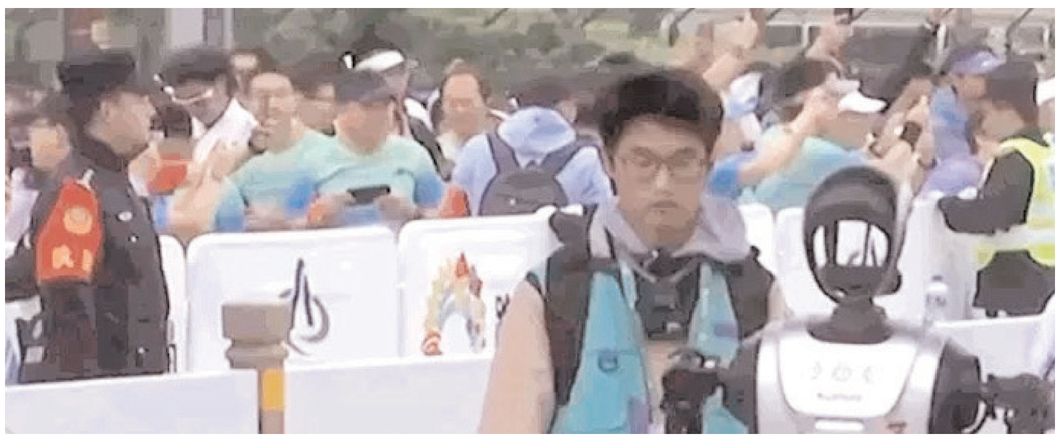

बीजिंग, एजेंसी। चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार को इंसानों और 21 रोबोट्स के बीच अनोखी हाफ मैराथन दौड़ हुई। यह पहली बार था जब मशीनों ने 21 किलोमीटर (13 मील) की दूरी तक इंसानों के साथ दौड़ लगाई। ये इवेंट बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का ऑफिस है। इसका मकसद रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन की तरक्की दिखाना था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस रेस में हिस्सा लिया। रेस में शामिल कुछ रोबेट्स का साइज 120 सेमी (3.9 फीट) से कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर (5.9 फीट) तक ऊंचे थे।

रोबोट ने 2 घंटे 40 मिनट तो इंसान ने 1 घंटे में पूरी की रेस : बीजिंग इनोवेशन सेंटर ऑफ ह्यूमन रोबोटिक्स के रोबोट तियांगोंग अल्ट्रा ने मशीनों में सबसे पहले 2 घंटे 40 मिनट में इस रेस को पूरा किया, जबकि इंसानी विजेता ने रेस पूरी करने के लिए 1 घंटे 2 मिनट का टाइम लिया। सबसे कम वक्त में 21 किमी की मैराथन पूरी करने का रिकॉर्ड जैकब किप्लिमो (56 मिनट 42 सेकेंड) के नाम है। रेस के दौरान जिस तरह इंसानों को बीच में पानी पीने की जरूरत पड़ती है उसी तरह रोबोट्स को बैटरियां बदलने की परमिशन दी गई थी। रोबोट के साथ इंसानी ट्रेनर भी थे, जिन्होंने दौड़ के दौरान मशीनों को सहारा भी दिया। कुछ रोबोट्स ने रनिंग शूज पहने थे, एक ने बॉक्सिंग ग्लव्स पहने थे और दूसरे ने लाल रंग का हेंड-बैंड पहना था जिस पर चीनी भाषा में बाउण्ड टू विन (जीतने के लिए तैयार) लिखा था।

चीन में 10 हजार कर्मचारियों पर 470 रोबोट : रोबोटिक्स सेंटर के चीफ टेक्नोलॉजी अफसर तांग जियान ने कहा कि तियांगोंग अल्ट्रा को रेस के दौरान लंबी टांगों और एक एल्गोरिथ्म की मदद मिली। इस वजह से यह इंसानों की तरह मैराथन दौड़ पाया। तांग ने कहा- मैं शेखी नहीं बघारना चाहता, लेकिन मुझे लगता है कि पश्चिम देशों में कोई भी अन्य रोबोटिक्स फर्म तियांगोंग की स्पोर्ट्स अचीवमेंट्स की बराबरी नहीं कर सकती। दौड़ के दौरान रोबोट की सिर्फ तीन बार बैटरी बदली गई। चीन ने बीते कुछ सालों में रोबोटिक्स में तेजी से तरक्की करके जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ दिया है। चीन में 2023 तक प्रति 10 हजार कर्मचारियों पर 470 रोबोट थे, यह आंकड़ा जर्मनी के 429 और जापान के 419 से ज्यादा है। अब सिर्फ साउथ कोरिया और सिंगापुर ही रोबोट घनत्व में चीन से आगे हैं।

2032 तक 66 अरब डॉलर का होगा ह्यूमनॉइड रोबोट मार्केट : ग्लोबल ह्यूमनॉइड रोबोट मार्केट का साइज 2023 में 2.43 अरब डॉलर (19 हजार करोड़ रुपए) का था, जिसके 2032 तक 66 अरब डॉलर (5 लाख 63 हजार करोड़ रुपए) तक पहुंचने का अनुमान है। ह्यूमनॉइड रोबोट एक प्रकार का रोबोट है, जिसका आकार इंसानी शरीर जैसा होता है। फिलहाल ह्यूमनॉइड रोबोट विकास के शुरुआती स्टेज में है। वहीं भारत का ह्यूमनॉइड रोबोट बाजार 2023 में 42 मिलियन डॉलर (करीब 358 करोड़ रुपए) था, जिसके 2030 तक 149.4 मिलियन डॉलर (करीब 1200 करोड़ रुपए) तक पहुंचने की उम्मीद है। इंडस्ट्रियल नौकरियों में होंगे 2.5 लाख रोबोट्स गोल्डमैन साक्स का अनुमान है कि 2035 तक ह्यूमनॉइड रोबोट बाजार 38 अरब डॉलर (3 लाख 24 हजार करोड़ रुपए) का होगा। पांच सालों में 2.5 लाख ह्यूमनॉइड रोबोट इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए भेजे जाएंगे।

परमाणु समझौते पर नया मोड़, रोम में ईरान और अमेरिका ने मिलाया सुर; बातचीत की बढ़ी उम्मीद

रोम, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत का दूसरा दौर शनिवार को इटली की राजधानी रोम में संपन्न हुआ। बातचीत के बाद दोनों देशों की ओर से इस बार थोड़ी सकारात्मकता दिखाई दी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने मामले में बताया कि कुछ मुद्दों पर सिद्धांत रूप में सहमति बनी है और आगे बढ़ने की उम्मीद है। बता दें कि यह वार्ता पिछले हफ्ते ओमान की राजधानी मस्कट में हुई पहली बैठक के बाद हुई। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने की, जबकि ईरान की ओर से अब्बास अरागची शामिल हुए। ईरान के विदेश मंत्री ने दी जानकारी चार घंटे चली इस बैठक के बाद अरागची ने कहा कि बातचीत में कुछ बुनियादी मुद्दों पर सहमति बन रही है। साथ ही यह भी बताया गया कि तकनीकी विशेषज्ञों की बातचीत बुधवार से शुरू होगी, जबकि तीसरे दौर की वार्ता अगले शनिवार मस्कट में होगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ओमान ने एक बार फिर मध्यस्थ की भूमिका निभाई और दोनों पक्ष सीधे आमने-सामने नहीं बैठे। बल्कि वे अलग-अलग कमरों में बैठकर ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अल बुसैदी के जरिए बातचीत करते रहे। स्टीव विटकॉफ ने दी जानकारी इस वार्ता को लेकर अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि किसी भी समझौते का मकसद मध्य पूर्व में शांति और स्थिरता लाना होना चाहिए। साथ ही यह राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि ईरान को अपने परमाणु हथियार बनाने की किसी भी योजना को पूरी तरह बंद करना होगा। इस बीच इस्राइल ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि वह ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए किसी भी हद तक जाएगा।

कनाडा में चुनावी रण जारी, हिंदू वोटों के लिए मंदिरों में दर्शन करने पहुंच रहे नेता

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में आम चुनाव का प्रचार-प्रसार अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अपने-अपने अभियानों का नेतृत्व कर रहे नेता अब कनाडा में मजबूत मानी जाने वाली भारतीय-कनाडाई लॉबी को साधने में जुटे हुए हैं। इसी बात को लेकर कनाडा के कंजर्वेटिव पार्टी से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार पियरे पोलीवियरे ने भारतीय मूल के लोगों से संपर्क किया है। इन महत्वपूर्ण वोटों को साधने के लिए पियरे ने टोरंटो के एक प्रमुख हिंदू मंदिर का दौरा किया और वहां पर पूजा की। इसके बाद वह ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में खालसा दिवस परेड में भी शामिल हुए। स्वामीनारायण मंदिर में पूजा करने पहुंचे पियरे ने अपने इस दौरे की जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने लिखा कि विश्वास, समुदाय और निस्वार्थ दान के माध्यम से कनाडा के लिए आपकी प्रेरक सेवा के लिए स्वामीनारायण मंदिर और हिंदू समुदाय को धन्यवाद।÷ मंदिर की तरफ से भी फेसबुक पर एक पोस्ट करते हुए कहा गया कि पोलीवियरे ने समुदाय की सेवा और विश्वास की जीवंत भावना का अनुभव किया। उन्होंने समुदाय के सदस्यों के साथ प्रार्थना में भाग लिया और कनाडा और उसके बाहर शांति और समृद्धि की उम्मीदें साझा कीं। मंदिर यात्रा के बाद पोलीवरे ने खालसा दिवस परेड में भी हिस्सा लिया.. इस समारोह में करीब 5 लाख लोग शामिल हुए थे। हालांकि इस परेड में खालिस्तान समर्थक लोग भी मौजूद थे।

रूसी निशान, यूक्रेन में सड़कों के नाम भी बदले; सीजफायर के बहाने सामने आई पुतिन की नई चाल

कीव, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईस्टर के मौके पर तीन साल से चल रही यूक्रेन जंग में युद्धविराम का ऐलान तो कर दिया, लेकिन इस बड़ी घोषणा के बीच यूक्रेन में रूस की कथित धोखाधड़ी सामने आई है। रूस कब्जा कर चुके यूक्रेनी गांवों, शहर पर अपने निशान बना रहा है। ऐसी रिपोर्ट है कि उसने हजारों यूक्रेनियों के घरों पर कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं सड़कों के नाम भी बदले जा रहे हैं।

रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी शहर मारीउपोल में अब ÷रूसी पहचान÷ की छाप तेजी से दिखाई देने लगी है। शहर में रूसी प्रशासन व्यवस्थित तरीके से हजारों यूक्रेनी नागरिकों के घर जब्त कर रहा है, खासकर उन लोगों के जो 2022 की घेराबंदी के दौरान मारे गए या शहर छोड़कर भाग गए थे। हजारों घरों की जब्ती बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 5700 घरों की पहचान जब्ती के लिए की गई है, जबकि 3550 और घरों को ÷संभावित जब्ती÷ की सूची में डाला गया है। ये सभी आंकड़े रूसी-नियंत्रित मारीउपोल प्रशासन की वेबसाइट पर जुलाई 2024 के बाद से डाले गए दस्तावेज़ों पर आधारित हैं।

रूस ने इस हरकत को बताया- वैध चोरी रूसी अधिकारी इन संपत्तियों को वैध चोरी करार देते हुए स्वीकारा कि जब्ती किए गए घर बिना मालिकों के हैं, लेकिन असलियत यह है कि इनके कानूनी मालिक यूक्रेनी नागरिक हैं, जिन्होंने रूस के कब्जे से बचने के लिए शहर छोड़ा या जिनकी मौत हो गई। कुछ मकानों के कानूनी वारिस अब भी दस्तावेजों के जरिए अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। सड़कों के नाम भी बदले मारीउपोल में न सिर्फ मकान जब्त किए जा रहे हैं, बल्कि सड़कों के नाम भी मास्को के निर्देशों के मुताबिक बदले जा रहे हैं। साथ ही, नए रूसी सैन्य ठिकाने भी बनाए जा रहे हैं। यह सब उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत यूक्रेनी शहरों को 'रूसी रंग' में रंगा जा रहा है। 2022 में रूस द्वारा किए गए 86 दिन लंबे घेराबंदी में मारीउपोल लगभग पूरी तरह बर्बाद हो गया था। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, उस दौरान कम से कम 8,000 नागरिक मारे गए थे, और करीब 93प्रतिशत ऊंची इमारतें तबाह हो गई थीं। रूस ने 70 से अधिक इमारतें भी बनाई रूस दावा कर रहा है कि उसने 70 से ज्यादा नई आवासीय इमारतें बनवा दी हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में अभी भी भीषण हाउसिंग संकट बना हुआ है। इस बीच, खाली पड़े फ्लैटों में बिना इजाजत लोग रहने लगे हैं और मालिकों को जब्ती का नोटिस भेजा जा रहा है।

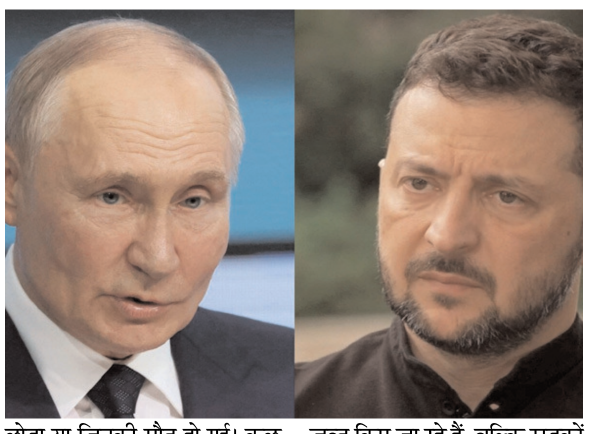

36 साल की महिला को जिंदा निगल गया अजगर, पेट से निकालना पड़ा शव

जकार्ता, एजेंसी। एक विशाल अजगर के द्वारा 36 साल की महिला को जिंदा निगल जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हाल के दिनों में यह दूसरी घटना है। पुलिस के अनुसार, महिला अपने बीमार बच्चे के लिए दवा लेने के लिए निकली थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो उसे ढूंढने के लिए उसका पति घर से बाहर निकला। कुछ दूर चलने पर उसके घर से 500 मीटर की दूरी पर महिला की चप्पल और पैंट पड़ी मिलीं। वहीं से कूछ दूरी पर उसने देखा कि एक अजगर का पेट फुला हुआ है। इसके बाद पूरी घटना की जानकारी सामने आई। आपको बता दें कि यह घटना इंडोनेशिया के साउथ सुलावेसी प्रांत की है।

पुलिस के अनुसार, 36 साल की सिरियाति मंगलवार सुबह अपने बीमार बच्चे के लिए दवा लेने निकली थीं, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटीं। जब कई घंटों तक कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। पुलिस ने कहा, पति आदियानसा को उनके घर से करीब 500 मीटर दूर उनकी चप्पल और पैंट जमीन पर पड़ी मिलीं। वहीं से कुछ ही दूरी पर उन्हें एक असामान्य रूप से फूला हुआ विशाल अजगर दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत गांववालों को बुलाया और अजगर के पेट को काटकर देखा गया, जहां से सिरियाति का शव बरामद हुआ। स्थानीय पुलिस प्रमुख इदुल ने बताया कि अजगर अभी जिंदा था और जब उसका पेट काटा गया तो शव साबुत अंदर पाया गया। गांव के सचिव इयांग ने बताया कि अजगर का पेट इतना बड़ा था कि गांववाले तुरंत समझ गए कि उसके अंदर कुछ गंभीर है। यह घटना अकेली नहीं है। साउथ सुलावेसी में पिछले महीने भी एक महिला को रेटिकुलेटेड पायथन ने निगल लिया था। इससे पहले 2023 में एक किसान को 8 मीटर लंबे अजगर ने निगल लिया था। 2022 में जांबी प्रांत में एक महिला को अजगर ने निगला। 2018 में 54 वर्षीय महिला का शव 7 मीटर लंबे अजगर के पेट से मिला। 2017 में एक किसान, अकबर को 4 मीटर लंबे अजगर ने निगल लिया था। कितना खतरनाक है रेटिकुलेटेड पायथन? रेटिकुलेटेड पायथन दुनिया का सबसे लंबा सांप माना जाता है और यह दक्षिणी एशिया में पाया जाता है। यह 20 फीट से भी ज्यादा लंबा हो सकता है और कुछ विशेष परिस्थितियों में इंसानों को भी निगलने में सक्षम होता है। लंदन के नैचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के अनुसार, अब तक दर्ज सबसे लंबा रेटिकुलेटेड पायथन 1912 में मिला था, जिसकी लंबाई करीब 33 फीट थी। जो कि एक जिराफ से भी लंबा है।

अमेरिका ने यमन में किए 13 हवाई हमले, राजधानी सना और हूती कब्जे वाले तटीय शहर होदेदा को निशाना बनाया

काहिरा, एजेंसी। यमन में अमेरिकी सेना ने 13 हवाई हमले किए हैं। सेना ने यमन की राजधानी सना और हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले तटीय शहर होदेदा को निशाना बनाया। हूतियों के मीडिया कार्यालय ने शनिवार को अमेरिकी हमलों की रिपोर्ट दी। हालांकि, अमेरिकी हमलों में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। हूती विद्रोहियों ने कहा कि अमेरिकी सेना ने लाल सागर पर होदेदा में एक हवाई अड्डे और एक बंदरगाह को निशाना बनाया है। इससे पहले, अमेरिकी हमले में लाल सागर के बंदरगाह को नुकसान पहुंचा था और 70 से अधिक लोग मारे गए थे। ये हमले नवीनतम हमलों से करीब दो दिन से भी कम समय पहले किए गए थे। मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य अभियानों की देखरेख करने वाली अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने कहा कि वह यमन में हूतियों के खिलाफ हमले जारी रखे हुए है। रास ईसा बंदरगाह पर हमले में 74 लोगों की हुई मौत हूती द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अमेरिकी सेना ने बृहस्पतिवार को होदेदा प्रांत के रास ईसा बंदरगाह पर हमला किया। इस हमले में 74 लोग मारे गए और 171 अन्य घायल हो गए। यह हमला ईरान समर्थित विद्रोहियों पर अमेरिका द्वारा जारी बमबारी अभियान में सबसे घातक था। यूएन महासचिव ने हमले पर जताई चिंता संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रास ईसा बंदरगाह पर किए गए हमले पर चिंता व्यक्त की।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक के हवाले से गुटेरेस ने शनिवार को कहा कि वे रास ईसा पर हमले के साथ-साथ इस्राइल और शिपिंग मार्गों पर हूती मिसाइल और ड्रोन हमलों को लेकर गंभीर रूप से चिंचित हैं। दुजारिक ने कहा, महासचिव ने याद दिलाया कि अंतरराष्ट्रीय कानून का हर समय सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी से नागरिकों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का सम्मान करने और उनकी रक्षा करने की अपील की। 16 मार्च से अमेरिकी अभियान में लगभग 200 लोग मारे गए अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि इस हमले का उद्देश्य यमन के लोगों को नुकसान पहुंचाना नहीं था। सेंट्रल कमांड ने संभावित नागरिक हताहतों के बारे में किसी भी सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया। वहीं, हूती स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 16 मार्च से अमेरिकी अभियान में लगभग 200 लोग मारे गए हैं।

ईस्टर पर युद्धविराम की घोषणा के बावजूद रूसी हमले जारी, राष्ट्रपति जेलेंस्की का आरोप

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को आरोप लगाया कि ईस्टर के अवसर पर युद्धविराम की घोषणा के बावजूद रूस के हमले कम नहीं हुए हैं, जबकि रूस ने ही युद्धविराम की घोषणा की है। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी आक्रमण अभियान कई सीमावर्ती क्षेत्रों में जारी है। उन्होंने कहा कि रूस के शब्दों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। जेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट में कहा, रूसी आक्रमण अभियान कई सीमावर्ती क्षेत्रों में जारी है। रूसी तोपखाने की गोलाबारी कम नहीं हुई है। इसलिए, रूस से आने वाले शब्दों पर कोई भरोसा नहीं है। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि मास्को कैसे हेरफेर करता है। हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आश्वासन दिया कि रक्षा बल तर्कसंगत तरीके से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि रूस के हर हमले का उचित तरीके से जवाब दिया जाएगा। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि रूस ने पूर्ण और बिना शर्त 30-दिवसीय युद्धविराम के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि 30 घंटे का ईस्टर युद्धविराम वास्तविक विश्वास बनाने के लिए अपर्याप्त है। रूस ने 39 दिनों तक अमेरिका के प्रस्ताव का नहीं दिया जवाब जेलेंस्की ने आगे कहा कि अमेरिका ने 30 दिनों के लिए पूरी तरह से और बिना शर्त युद्धविराम का प्रस्ताव दिया था। यूक्रेन ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, लेकिन रूस ने 39 दिनों तक कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अगर अब रूस अचानक इस शांति प्रस्ताव को मानने के लिए तैयार है, तो यूक्रेन भी उसी तरीके से जवाब देगा। उन्होंने रूस की कार्रवाइयों को दोहराते हुए कहा कि मौन के जवाब में मौन और हमलों के जवाब में रक्षात्मक

हमले किए जाएंगे। 30 दिन शांति से संघर्ष समाप्त करने का निकल सकता है रास्ता जेलेंस्की ने आगे कहा कि यदि वास्तव में पूर्ण युद्धविराम लागू होता है, तो यूक्रेन इसे 20 अप्रैल के ईस्टर दिवस से आगे बढ़ाने का प्रस्ताव देता है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलेगा कि रूस वास्तव में शांति चाहता है या सिर्फ दिखावा कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि 30 घंटे शांति की खबरों में आने के लिए पर्याप्त हैं, लेकिन वास्तविक विश्वास-निर्माण उपायों के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि अगर 30 दिन शांति रहे, तो शायद इस संघर्ष को समाप्त करने का रास्ता निकल सकता है। पुतिन ने ईस्टर पर 30 घंटे के युद्धविराम की घोषणा की इससे पहले, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईस्टर के अवसर पर 30 घंटे के लिए युद्धविराम की घोषणा की। पुतिन की घोषणा का वीडियो रूस के विदेश मंत्रालयने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, रूसी पक्ष आज शाम 06ः00 बजे से सोमवार सुबह 00ः00 बजे तक ईस्टर संघर्ष विराम की घोषणा करता है। यह मानवीय कारणों से किया गया है। मैं इस अवधि के लिए सभी सैन्य अभियानों को बंद करने का आदेश देता हूं।

इलिनॉइस में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, चार लोगों की मौत : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इलिनॉइस राज्य में शनिवार को खेत में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। कोल्स काउंटी के कोरोनर (अस?वाभाविक कारणों से होने वाली मृत?यु के मामलों की जांच करने वाला अधिकारी) एड श्नीयर्स ने बताया कि मृतकों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। हालांकि, श्नीयर्स ने परिजनों को सूचित किए जाने तक मृतकों की पहचान उजागर करने से इनकार किया। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने ईमेल के जरिए जानकारी दी कि यह दुर्घटना सुबह करीब 10 बजे ट्रिला के पास हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 'सेसना सी80जी' विमान बिजली के तारों से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराणा प्रताप चौक के रहवासी दूषित पानी से परेशान

स्थानीय लोगों का दावा- 20-25 लोग ICU में भर्ती, दो दिन पहले एक की मौत

स्वास्थ्य विभाग ने कहा - 'सभी सैंपल ठीक पाए गए'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के महाराणा प्रताप चौक के पास स्थित गली नंबर-3 में दो दिन पहले दूषित पानी के कारण एक युवक की मौत हो गई है, जबकि 10-12 लोगों के ICU में भर्ती होने का स्थानीय लोगों ने दावा किया है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। प्रशासन की निष्क्रियता से स्थानीय लोग नाराज़ हैं, वहीं दूसरी ओर प्रशासन का दावा है कि "हमने जो सैंपल लिए थे, वे सभी ठीक पाए गए थे।"

महाराणा प्रताप चौक के पास स्थित गली नंबर-3 में रहने वाले जयेश शिरसागर नामक युवक की तबीयत खराब हो गई थी। रात के समय उसकी हालत बिगड़ी और उसे 10 से 12 बार दस्त और उल्टियां हुईं। वह अपनी मां के साथ रहते थे। सुबह उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि उनकी मौत दूषित पानी पीने के कारण हुई। क्षेत्र में कई लोगों को भी दूषित पानी के कारण डायरिया होने की जानकारी सामने आई है।

मृतक के परिवारजन रिंकू सवले ने बताया कि मेरे भतीजे की तबीयत देर रात बहुत ज्यादा बिगड़ गई थी। उसे 10 से 12 बार दस्त और उल्टियां हुई थीं। रात के समय हमें घर पर फोन आया कि उसकी हालत और ज्यादा खराब हो गई है और उसे अस्पताल ले जाना पड़ेगा। तब हमें इसकी जानकारी मिली। हम घर पहुंचे और उसे अस्पताल लेकर गए, लेकिन तभी हमें एहसास हो गया था कि उसकी मौत हो चुकी है। फिर भी हम उसे नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गंदे और दूषित पानी के कारण लोगों की जान जा रही है, फिर भी प्रशासन इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है।

एक अन्य स्थानीय निवासी ने बताया कि इस इलाके में जो गंदा पानी आता है, उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इस युवक की मौत के बाद ही अधिकारी सक्रिय हुए। मेडिकल टीम आई और सिर्फ देखकर चली गई। जब वे लोग आए थे, तब टैंकर की जांच नहीं की गई। लेकिन अगले दिन जब टैंकर दोबारा खोला गया तो उसमें पानी पूरी तरह से खराब और गंदा था।

25-30 लोग ICU में भर्ती हुए हैं। इसके अलावा उन्होंने बताया कि जब मैंने टैंकर चालक से पूछा कि पानी इतना खराब क्यों है, तो उसने कहा कि पानी ठीक ही है, हम चेकिंग करके उसमें दवा मिलाकर ही पानी देते हैं। अगर वाकई दवा मिलाकर पानी दे रहे हैं तो पानी इतना खराब नहीं होना चाहिए। दो गलियों में यह पानी पीने दिया गया, लेकिन तीसरी गली में हमने यह पानी नहीं पीने दिया। उस दिन के बाद फिर से 4 नए केस बढ़ गए। अभी तक 25-30 लोग ह्रष्ट में भर्ती हो चुके हैं। इस समस्या का कोई न कोई समाधान निकलना चाहिए।

हमने ऑनलाइन शिकायतें दर्ज कराईं, बहुत कुछ किया। कल डॉक्टर साहब को बुलाया था। डॉक्टर साहब ने सभी को फोन करवाए, तो आज सभी लोग सुबह आए भी, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे। पानी की समस्या का कोई हल नहीं निकाल रहे। रोज पानी की बोतलें भर-भर के ले जाते हैं, लेकिन कोई जवाब नहीं देते।

मेरी पत्नी दूषित पानी के कारण बीमार पड़ी।

एक अन्य मरीज के पति ने बताया कि मेरी पत्नी पिछले दो दिनों से दूषित पानी पीने की वजह से डायरिया की चपेट में आकर बीमार हो गई थी। हमारे इलाके में गंदा पानी आने की शिकायत हम बार-बार करते रहे हैं। मेरी पत्नी को भी काफी ज्यादा दस्त और उल्टियां होने लगीं, जिसके चलते उन्हें ICU में भर्ती कराना पड़ा। दो दिन के इलाज के बाद अब उनकी तबीयत ठीक है। लेकिन हमारे जैसे कई परिवारों के लोग यहां बीमार हुए हैं, इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग देखने तक नहीं आया है।

लिंबायत ज़ोनल अधिकारी एन. ज़ेड. गणेश वाला ने बताया कि हमने जो पानी के सैंपल फिजिकली लिए थे, उनमें किसी भी तरह की कोई खामी नहीं पाई गई। सभी सैंपल साफ और स्वच्छ पाए गए हैं। सिर्फ एक ही सोसायटी में ऐसी परेशानी कैसे उत्पन्न हुई, इसको लेकर हम जांच कर रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी निमेष देसाई ने बताया कि हमने करीब 20 सैंपल लिए थे, जिनमें से 15 से ज्यादा सैंपलों में कोई खराबी नहीं पाई गई। बाकी लगभग 5 सैंपलों की रिपोर्ट अभी आई नहीं है। हाइड्रोलिक विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा पानी के सैंपल लिए गए हैं। अब तक प्राप्त सैंपलों में किसी भी प्रकार की खामी नहीं पाई गई है। लोग दूषित पानी से परेशान हैं, फिर भी सभी सैंपल सही बताए जा रहे हैं।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरी सोसायटी के लोग लगातार दूषित पानी आने की शिकायत कर रहे हैं, फिर भी जांच के लिए लिए गए सभी सैंपल ठीक आ रहे हैं, इससे इनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर संदेह उत्पन्न हो रहा है। जब नंगी आंखों से पानी साफ तौर पर दूषित दिखाई देता है, तो यह समझना मुश्किल है कि अधिकारियों द्वारा लिए गए सैंपल कैसे ठीक आ सकते हैं। इसका जवाब तो अधिकारी तटस्थ होकर दे सकते हैं, लेकिन आम आदमी को स्वास्थ्य विभाग की इस कार्यप्रणाली पर शक होना बिल्कुल स्वाभाविक है।

सूरत नगर निगम द्वारा फायर सेफ्टी जांच के लिए 700 गोडाउन की जांच की गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

फायर सुरक्षा के बिना चल रहे गोदामों के सर्वे में अधिकांश गोदाम अस्थायी संरचनाओं में चल रहे थे, और संबंधित जोन को ऐसे गोदामों को हटाने के लिए आदेश दिया गया था। साथ ही फायर सुरक्षा के बिना 700 गोदामों की सूची सौंपी गई है। चरणबद्ध तरीके से सभी जोन जानकारी एकत्र करेंगे और नोटिस जारी करने की मुहिम शुरू की जाएगी।

हाल ही में लिम्बायत में प्लास्टिक कचरे के गोदाम में आग लगने के बाद गोदामों में फायर सुरक्षा की सुविधा की जांच के लिए सर्वे शुरू किया गया था। फायर ऑफिसर हितेश ठाकोर ने बताया कि सर्वे के लिए फायर स्टेशनों की टीम बनाई गई थी, जिन्होंने स्थल पर जांच की और जानकारी दी। हालांकि, अधिकांश गोदामों में फायर सुरक्षा का अभाव पाया गया, जिसके कारण जोन अधिकारियों को गोदामों की जानकारी के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। अधिकारियों से अनुमति प्राप्त और बिना अनुमति वाले गोदामों की सूची मिलते ही कार्रवाई का रास्ता स्पष्ट होगा। गैरकानूनी गोदामों के खिलाफ शीघ्र ही नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाएगी, ऐसा फायर ऑफिसर ने भी बताया।

24 घंटे के भीतर शुरू न किया गया तो अधिकारी के खिलाफ कदम उठाए जाएंगे

2.23 करोड़ के खर्चे से 16 साल पुराने वाल्व बदले जाएंगे।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लाइन लीकज की कार्यवाही 24 घंटों के भीतर शुरू नहीं की गई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पानी समिति की बैठक में शासकों ने अधिकारियों की जमकर फटकार लगाई और कार्रवाई करने की चेतावनी दी। आगामी मानसून से पहले वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए समिति के 9 सदस्यों को 100-100 सोसाइटी में यूनिट स्थापित करने का संकल्प भी लिया गया था। पानी समिति के अध्यक्ष हिमांशु राउलजी ने कहा कि, गर्मी में पानीजन्य रोगों को रोकने के लिए गंदे पानी की शिकायतों का त्वरित समाधान जरूरी है। पानी लाइन में लीकज के बाद गंदे पानी का मिलना बढ़ सकता है, इसलिये लीकज की शिकायतों पर 24 घंटों में कार्रवाई सुनिश्चित करने की योजना बनाई गई है।

"मैंने हाथ में हजारों ड्रग्स के इंजेक्शन लिए हैं"

ड्रग्स पैडलर बेचते-बेचते नशे के सवर में चढ़ा; पुलिस ने रेड मारी, इंसुलिन सिरिंज और MD ड्रग्स बरामद किए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पुलिस रेड करने गई और सूरत का च्जमील उर्फ जंगलीज् नामक ड्रग्स पैडलर ड्रग्स बेचने के साथ खुद भी नशे के सवर में चढ़ा हुआ मिला। दोनों हाथों में हजारों इंजेक्शनों के निशान थे, आरोपी सिर्फ इंजेक्शन लेने वाला पीड़ित नहीं, बल्कि ड्रग्स बेचने वाला पैडलर भी था। सूरत क्राइम ब्रांच ने रेड के दौरान 35 इंसुलिन सिरिंज, 10स्रू डिस्टिल्ड पानी की 11 बोतलें, 12.540 ग्राम MD ड्रग्स के साथ अन्य दो आरोपी तौफीक जहांगीर पटेल और रहमान रेहमानखान रहमान को गिरफ्तार किया।

सूरत क्राइम ब्रांच ने उमिया मंदिर के पीछे स्थित पंचशीलनगर के मकान में छापा मारा। उन्होंने जो दृश्य देखा, उसे देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। 'जमील उर्फ जंगली' के दोनों हाथों पर हजारों इंजेक्शनों के निशान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि वह सालों से ड्रग्स का सेवन कर रहा है और अपने शरीर में इंसुलिन सिरिंज के जरिए स्ब्ठ ड्रग्स का इंजेक्शन डालता था। आरोपी ने यह भी कबूल किया कि "अब तक मैंने अपने दोनों हाथों में हजारों इंजेक्शन ले चुके हैं..."

मकान से मिला नशे का जखीरा

पुलिस को रेड के दौरान तीन मंजिला मकान से अन्य दो आरोपी भी गिरफ्तार हुए। तौफीक जहांगीर पटेल (पद्मावती सोसायटी, लिम्बायत), रहमान रेहमानखान रहमान (मानदरवाजा, किन्नरी सिनेमा के सामने), ये दोनों आरोपी जमील उर्फ जंगली के साथ मकान के बाहर से दरवाजा लॉक कर ड्रग्स का सेवन और बिक्री कर रहे थे। जब भी कोई खरीदार आता, तो ड्रग्स के पैकेट रस्सी के जरिए नीचे भेजे जाते थे।

क्राइम ब्रांच ने 35 इंसुलिन सिरिंज, 10स्रू डिस्टिल्ड पानी की 11 बोतलें, 12.540 ग्राम MD ड्रग्स (मूल्य: 1.25 लाख), 4 मोबाइल फोन और नकद 2.61 लाख बरामद किए।

जमील का पूरा हाथ पूरा 'इंजेक्शन हिट'

जमील को गिरफ्तारी के बाद उसकी मेडिकल जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि उसके हाथ पर पूरा 'इंजेक्शन हिट' था और कई नसें सूख चुकी थीं। शरीर के कई हिस्सों में गड्ढे जैसे खाली स्थान बन गए थे। जब पुलिस ने उससे पूछा कि वह खुद क्यों लेता है, तो वह शरमाए बिना हंसते हुए बोला, "अब ड्रग्स लेने का इतना शौक हो गया है कि बेचते-बेचते मन करता है, तो मैं भी इंजेक्शन लगा लेता हूँ।"

ड्रग्स के दोनों सप्लायर्स को पुलिस ने वॉन्टेड घोषित किया

डीसीपी भावेश रोजिया ने बताया कि इन तीनों आरोपियों ने लिम्बायत मिठी खाड़ी इलाके में रहने वाले दानिश सद्दाम खजूर और ट्विशा नाम की महिला से MD ड्रग्स मंगवाए थे और उन्हें छोटे पैमाने पर बेचा करते थे। दोनों सप्लायर्स अभी फरार हैं और पुलिस ने उन्हें वॉन्टेड घोषित किया है। इन तीनों ने मिलकर एक ऐसी अंधी दुनिया बनाई थी, जहां नशा पाउडर के रूप में नहीं, बल्कि सीधे इंजेक्शन के जरिए खून में भर दिया जाता था।

"तारे को यहाँ रहना है तो पैसे देने ही होंगे"

दीपक कुटेकर दो साथियों के साथ चाकू दिखाकर रंगदारी मांगता CCTV में कैद,पुलिस ने गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में दिन-रात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियानों के बावजूद कुछ दंबग अपराधी कानून को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।चौक बाजार पुलिस स्टेशन के क्षेत्र के विजय नगर सोसाइटी में सामने आया है, जहां रंगदारी के लिए चाकू दिखाकर हमला करने वाले मुख्य आरोपी दीपक कुटेकर और उसके दो साथी पवन उर्फ कालियो और वंश उर्फ बीट्ठ ने लोगों में डर पैदा किया था। तीनों आरोपी CCTV में कैद हो गए थे। वे क्षेत्र में रहने के लिए रंगदारी मांग रहे थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

16 अप्रैल, 2025 की शाम को शिकायतकर्ता पार्थ अपार्टमेंट के बाहर एक दोस्त के साथ खड़ा था। उसका दोस्त 6000 रुपये की वसूली के साथ मौजूद था। घटना के एक ही दिन में तीनों को पुलिस ने पकड़ लिया। इस पूरे दृश्य को CCTV कैमरे में कैद किया गया, जिससे पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई। चौक बाजार पुलिस ने अपनी मानव नेटवर्क और तकनीकी निगरानी की मदद से केवल एक दिन में तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी दीपक नारायण कुटेकर पहले भी 12 से अधिक गंभीर अपराधों में शामिल रहा है। इसके अलावा, अन्य दो साथी भी आपराधिक इतिहास रखते हैं। दीपक के खिलाफ IPC की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 326, 452, आर्म्स एक्ट, NDPS और अत्याचार कानून सहित कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ BNS धारा 308 (5), 115(2), 118(1), 54, GP एक्ट 135 और SC/ST अत्याचार एक्ट की धारा 3(2)(5) और 3(2)(5) के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों ने माफी मांगते हुए पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है, लेकिन अब पुलिस उनकी कड़ी कार्रवाई और अन्य संभावित अपराधों की जांच के लिए रिमांड की तैयारी कर रही है।

नकली हेड एंड शोल्डर्स शैम्पू का गोदाम पकड़ा गया, 3 गिरफ्तार

कंपनी 1199 में एक बोतल बेचती थी, ठग दो बोतलें देते थे,असली-नकली शैम्पू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में नकली हेड एंड शोल्डर्स शैम्पू का एक बड़ा गोदाम पुलिस ने पकड़ा। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो कंपनी के नाम पर नकली शैम्पू बेच रहे थे। असली शैम्पू की एक बोतल 1199 में बिकती है, जबकि आरोपी दो बोतलें 1199 में दे रहे थे। पुलिस ने शैम्पू के असली और नकली होने की पहचान करने के लिए कुछ संकेत बताए, ताकि उपभोक्ता धोखाधड़ी से बच सकें।

इंटरनेशनल प्रसिद्ध ब्रांड हेड एंड शोल्डर्स शैम्पू कंपनी के नाम पर डुप्लिकेट बोतलें ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल से बेचने वाले युवकों के गोरखधंधे का अमरोलि पुलिस ने पर्दाफाश किया है।

पिछले आठ सालों से वरियाव में डुप्लिकेट शैम्पू की बोतलों पर प्रसिद्ध कंपनी के स्टिकर लगाकर पोर्टल पर बेचा जा रहा था। पुलिस ने डुप्लिकेट शैम्पू के 16 बॉक्स और स्टिकर के साथ 16.39 लाख का माल जब्त किया है। साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय ब्रांड हेड एंड शोल्डर्स शैम्पू कंपनी के विक्रेता को यह जानकारी मिली कि अमरोलि के हिल्टन बिजनेस हब की दूसरी मंजिल पर स्थित ऑफिस में डेनिश विराणी और जैमिल गबानी कंपनी के नाम पर डुप्लिकेट शैम्पू की बजाय निची गुणवत्ता वाले शैम्पू की बोतलों पर स्टिकर लगाकर ऑनलाइन देशभर के बाजारों में बेच रहे थे। इसके बाद कंपनी ने अमरोलि पुलिस से संपर्क किया था।

सूचना के आधार पर पीआई जे.बी. वनार सहित टीम ने यहां छापे मारे थे। वरियाव टी पॉइंट के पास गोदाम पर पुलिस पहुंचने पर यहां से 16 बॉक्स, डुप्लिकेट शैम्पू के स्टिकर सहित 16.36 लाख का माल जब्त किया गया था।

पुलिस ने इस जखीरे के साथ 50 वर्षीय हितेश धीरूभाई शैठ (रह. खोदलधाम, अपार्टमेंट, सिंगणपुर - मूल निवासी दडवा, ता. उमराला, जि. भावनगर) को गिरफ्तार किया। गोदाम में काम कर रहे हितेश शैठ से पुलिस ने पूछताछ की, तो उसने बताया कि वह 12000 रुपये के वेतन पर क्लार्क है। इस फैक्ट्री को डेनिश विराणी और जैमिल गबानी चला रहे थे। पुलिस ने गोरखधंधे में लिप्त कतरगाम के डेनिश और जैमिल को भी कुछ ही घंटों में पकड़ लिया।

पुलिस के अनुसार, इस ओरिजिनल कंपनी का एक लीटर शैम्पू 1199 में बिकता है, लेकिन डुप्लिकेट शैम्पू की बोतल ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनी के माध्यम से 1199 में एक के ऊपर एक फ्री मिलती थी। दोनों ठग पिछले आठ सालों से इस तरीके से डुप्लिकेट शैम्पू का कारोबार चला रहे थे। पुलिस अब डुप्लिकेट स्टिकर और बोतल बनाने वालों की भी तलाश कर रही है।

सेल्समैन की शिकायत के आधार पर पुलिस की जांच शुरू वरियाव के गोदाम में प्रसिद्ध डुप्लिकेट शैम्पू की बोतलें पैक करके ऑनलाइन बिक्री की जा रही थी। ऑनलाइन ऑर्डर के अनुसार डिलीवरी के दौरान शैम्पू की बोतल पर निर्माण की तारीख और बैच नंबर न होने के कारण डुप्लिकेट होने का पता चला। कंपनी के सेल्समैन सन्नी शैठ ने अमरोलि पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

"दिव्य तरंग" कीर्तन का हुआ अनोखा आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा "दिव्य तरंग" कीर्तन का आयोजन शनिवार को शाम साढ़े सात बजे से सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस में किया गया। इस अनूठे आयोजन में टीम मंत्रा लाउंज द्वारा भजन कीर्तन एवं तुषार रेवड़ी द्वारा हैंड पैन मेडिटेशन करवाया गया। आयोजन में भजनरास, मंत्रों का उच्चारण, साधना से अपने मन एवं आत्मा को जोड़ने का प्रयास किया गया। इस मौके पर युवा शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहे।